आषाढ़ शुक्ल - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 339 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 09-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 वापसी को तैयार जसप्रीत बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

6 फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम

7 'साइको सइयां' का मेरे करियर में बड़ा योगदान : ध्वनि भानुशाली

फर्स्ट टेक

भारत ने पनडुब्बी रोधी रॉकेट प्रणाली का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने विस्तारित रेंज वाली पनडुब्बी रोधी रॉकेट प्रणाली का परीक्षण किया है, जिससे भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि विस्तारित रेंज पनडुब्बी रोधी रॉकेट (ईआरएएसआर) के उपयोगकर्ता परीक्षण आईएनएस कवरत्ती से सफलतापूर्वक किये गये। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, भारतीय नौसेना और इस प्रणाली के विकास एवं परीक्षण में शामिल उद्योग को बधाई दी। सिंह के कार्यालय ने 'एक्स' पर कहा, उन्होंने (रक्षा मंत्री ने) कहा कि इस प्रणाली को सफलतापूर्वक शामिल करने से भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में वृद्धि होगी।

हज-2026 के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली/भाषा। हज 2026 के लिए आवेदन मंगलवार से शुरू किया गया और ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक स्वीकार किये जाएंगे। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि हज 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। हज यात्रा पर जाने वाले इच्छुक यात्री हज पोर्टल एचटीटीपीएस://हजकमेटीडॉटजीओवीडॉटआईएन या 'हज सुविधा' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन विंडो आज से 31 जुलाई रात 11:59 बजे तक खुली रहेगी। उन्होंने कहा कि आवेदन की अंतिम तिथि को या उससे पहले जारी किया गया पासपोर्ट होना अनिवार्य है और यह कम से कम 31 दिसंबर 2026 तक वैध होना चाहिए। हज समिति आवेदकों को आवेदन करने से पहले अपनी तैयारियों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की सलाह दी है।

नेपाल को चीन से जोड़ने वाला पुल बाढ़ में ध्वस्त, 20 लोग लापता

काठमांडू/भाषा। नेपाल में मानसून की बारिश की वजह से आई बाढ़ में हिमालयी देश को चीन से जोड़ने वाला मैत्री पुल मंगलवार को ध्वस्त हो गया, जिसके कारण कम से कम 20 लोग लापता हो गए। चीन में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण सोमवार रात नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर पूर्व में रसुवा जिले में स्थित मितेरी पुल सोमवार देर रात सवा तीन बजे बाढ़ में पानी के तेज बहाव की वजह से ध्वस्त हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छह चीनी नागरिकों सहित 20 लोग लापता हैं।

09-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 10-07-2025 सूर्योदय 5:48 बजे

BSE	NSE
83,712.51 (+270.01)	25,522.50 (+61.20)

सोना	चांदी
10,177 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	120,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चोरी और सीनाजोरी

सब नंगे हैं इस हमाम में,
कौन करेगा किसकी चोरी।
कटी पतंगों से हैं डाटा,
जिनकी नहीं हाथ में डोरी।
डटे हुए डाटा को लेकर,
पर जनता है बड़ी चकोरी।
खुद चोरी करते हैं नेता,
लेकिन करते सीनाजोरी।।

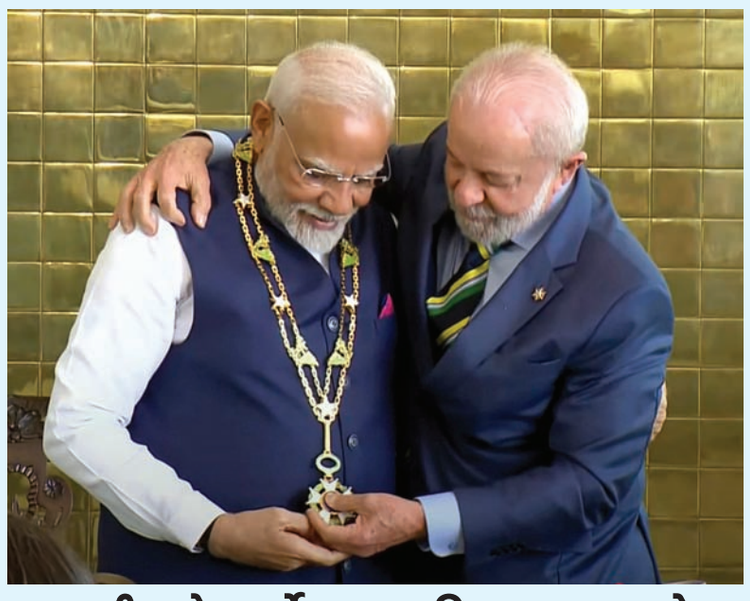

ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रासीलिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया गया।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया।

मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान कहा

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

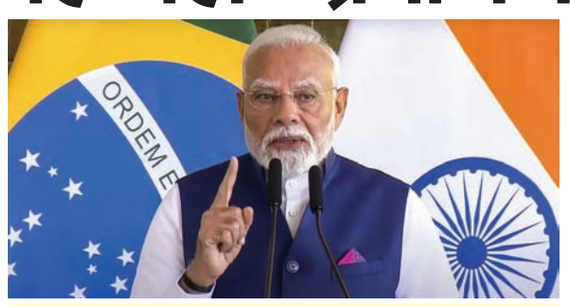

दोनों पक्षों ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

ब्रासीलिया/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और ब्राजील आतंकवाद तथा इसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान और उसके सदाबहार मित्र चीन की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मानदंड के लिए कोई जगह नहीं है।

मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने और इसे लेकर दोहरा मानदंड न अपनाये जाने की नीति को लेकर हमारी सोच एक जैसी है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने किसी देश का नाम लिये बिना कहा कि भारत और ब्राजील आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं। पूर्व में भारत ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया है।

मोदी ने पाकिस्तान के सदाबहार मित्र चीन की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा, ''आतंकवाद के मामले में दोहरे मानदंड के लिए कोई स्थान नहीं है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राष्ट्रपति लूला की एकजुटता और समर्थन के लिए उनका आभार जताया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित बहुआयामी संबंधों पर व्यापक चर्चा की।

जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण खनिजों, नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सुपर कंप्यूटर, डिजिटल सहयोग और गतिशीलता के नये क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशे। जायसवाल ने बताया कि दोनों नेताओं ने अगले पांच वर्षों में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य निर्धारित किया।

देश भर में 25 करोड़ कामगारों की आज हड़ताल

किसान संगठन भी समर्थन में उतरे

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय और क्षेत्रीय श्रमिक संगठनों से जुड़े 25 करोड़ से अधिक कर्मचारी बुधवार को नए श्रम कानूनों और निजीकरण के विरोध में देश भर में हड़ताल पर जाएंगे। कर्मचारियों की हड़ताल से बैंकिंग, डाक और अन्य सेवाओं में व्यवधान पैदा होने की आशंका है। श्रमिक संगठनों ने न्यूनतम मासिक वेतन 26,000 रुपये करने और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने जैसी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के मकसद से देशव्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। एक श्रमिक संगठन के पदाधिकारी ने मंगलवार को कहा कि आम हड़ताल से बैंकिंग, बीमा, डाक, कोयला खनन, राजमार्ग और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सेवाएं बाधित हो सकती हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और नरेगा संघर्ष मोर्चा जैसे क्षेत्रीय संगठनों ने भी इस हड़ताल को अपना समर्थन दिया है।

नए श्रम कानूनों और निजीकरण का विरोध

इजराइल के साथ युद्ध में 1,060 लोग मारे गए : ईरान

दुबई/एपी। ईरान की सरकार ने इजराइल के साथ युद्ध में मरने वाले लोगों की नई संख्या जारी करते हुए बताया कि इसमें कम से कम 1,060 लोग मारे गए हैं। साथ ही, उसने चेतावनी दी है कि यह संख्या बढ़ सकती है। ईरान के 'फाउंडेशन ऑफ मार्टर एंड वेटरंस अफेयर्स' के प्रमुख सईद ओहादी ने सोमवार देर रात ईरानी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में मृतकों की संख्या के बारे में जानकारी दी। ओहादी ने चेतावनी दी कि कुछ लोग जिस तरह से गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उसे देखते हुए मरने वालों की संख्या 1,100 तक पहुंच सकती है।

प्रदूषण को कम करना सभी की पहली जिम्मेदारी : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़कों पर जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करना सभी हितधारकों की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने यहां एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के एक कार्यक्रम में कहा कि एथनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देकर और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान से प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार दोनों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सरकार सड़क बनाने में कचरे का भी इस्तेमाल कर रही है और इस काम में लगभग 80 लाख टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है।

गडकरी ने कहा, ''हम अपने राजमार्गों पर बारिश का पानी जमा करने जैसे उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।'' एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एनएचएआई बांस के बागान, घने वृक्षारोपण और हरित गलियारे बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें आगे कहा गया कि एनएचएआई ने 2024-25 के दौरान 60 लाख वृक्षारोपण के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 67 लाख पेड़ लगाए।

वैश्विक बाजारों की ओर बढ़ रहे हैं किसान : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि भारत में किसान अब मोबाइल आधारित फसल निगरानी पद्धति को अपनाने के साथ-साथ तकनीक की मदद से वैश्विक बाजारों तक पहुंच भी बना रहे हैं।

प्रधान ने मेरठ में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि किसान जल्द ही अपने मोबाइल फोन पर अपेक्षित वर्षा, कौन सी फसल बोनी है और विभिन्न बाजारों में कृषि उत्पादों की मांग के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईआईटी रोपड़ के सहयोग से विश्वविद्यालय में एक नवाचार केंद्र स्थापित किया गया है और जल्द ही कृषि कौशल विकास केंद्र भी शुरू किया जाएगा।

कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधान ने कहा कि एआई किसानों को फसलों में लगने वाले रोगों की पहचान करने और संभावित समाधान सुझाने में मदद करेगा।

कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि तकनीक की मदद से भारतीय किसान वैश्विक बाजार से जुड़ सकते हैं। उन्होंने किसानों से किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने का आग्रह किया और कहा कि नवाचार केंद्र का शुभारंभ कृषि में एक नए युग की शुरुआत है। चौधरी ने कहा कि स्टार्टअप और कृषि वैज्ञानिक अब खेती के जोखिम को कम करने में किसानों की मदद के लिए उनके साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

यमन के हूती विद्रोहियों ने किया

लाल सागर में एक और जहाज पर हमला, तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह जानकारी यूरोपीय संघ के एक नौसैनिक बल ने मंगलवार को दी।

यूनान के स्वामित्व वाले 'इटरनिटी सी' पर हमला हूतियों द्वारा सोमवार को लाल सागर में एक अन्य जहाज पर हमला किये जाने और उसे डुबोने के दावे के बाद हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। ये दोनों हमले नवंबर 2024 के बाद से नौवहन पर हूतियों द्वारा किए गए पहले हमले हैं। यह संभावित रूप से इस जलमार्ग को निशाना बनाने के एक नये अभियान का शुरुआती संकेत है, जिससे हाल के हफ्तों में अधिक जहाजों का गुजरना शुरू हो गया था।

सोमवार रात को जब यह जहाज़ उत्तर दिशा में स्वेज नहर की ओर बढ़ रहा था, तभी छोटी नावों में सवार लोगों और बम से लैस ड्रोन से उस पर हमला किया गया।

अमेरिका भारत के साथ 'व्यापार समझौता' के करीब : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा, ''हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हमने चीन के साथ एक समझौता किया है... हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं।''

इसके साथ ही ट्रंप ने कहा, ''हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा।''

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता समयसीमा के आधार पर नहीं करता है और समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा, उचित रूप से संपन्न हो जाएगा और राष्ट्रीय हित में होगा। कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए अमेरिका को शुल्क रियायतें देने के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं।

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन एक अगस्त तक बढ़ाया, भारत को राहत

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के जवाबी शुल्क के निलंबन को एक अगस्त तक बढ़ाने से भारतीय निर्यातकों को राहत मिलेगी। साथ ही भारत और अमेरिका को अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लंबित मुद्दों को सुलझाने के वास्ते अतिरिक्त समय मिलेगा। ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को विभिन्न देशों को 'पत्र' भेजे जिसमें उन देशों के उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। इन देशों में हालांकि भारत को शामिल नहीं किया गया। बांग्लादेश, बोस्निया एंड हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ट्यूनीशिया को ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भेजे गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक अलग कार्यकारी आदेश में कई अन्य देशों पर बढ़ाए गए शुल्क को टालने की अवधि एक अगस्त तक बढ़ा दी है। शुल्क पर यह 90 दिवसीय निलंबन नौ जुलाई को समाप्त होना था। इस निर्णय पर टिप्पणी करते हुए निर्यातकों ने कहा कि जवाबी शुल्क लगाने को नौ जुलाई से एक अगस्त तक स्थगित करना अमेरिका की अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने की इच्छा को दर्शाता है।

यूक्रेन को और हथियार भेजेगा अमेरिका : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति फिलहाल रोकने संबंधी आदेश जारी करने के कुछ ही दिन बाद कहा है कि अमेरिका कीव को और हथियार भेजेगा। उनका यह बयान 'पेंटागन' (अमेरिका के रक्षा मंत्रालय का मुख्यालय) द्वारा पिछले सप्ताह की गई घोषणा के बाद उनके अचानक बदले रुख को दर्शाता है। 'पेंटागन' ने कहा था कि वह यूक्रेन को हवाई हमलों से बचाव करने वालीं मिसाइलें, सटीक निशाना लगाने वालीं तोपें जैसे कुछ हथियार भेजना फिलहाल रोक रहा है। यह आदेश इसलिए दिया गया था क्योंकि अमेरिका इस बात को लेकर चिंतित है कि उसके अपने हथियारों का भंडार बहुत कम हो गया है।

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा भारत

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा कि ''सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने'' से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें समाहित होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों। हरीश ने कहा, ''हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत, अफगानिस्तान में सुरक्षा स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति, अलकायदा और उसके सहयोगी संगठन, इस्लामिक स्टेट और उसके सहयोगी संगठन, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद शामिल हैं, तथा उनके क्षेत्रीय प्रायोजक जो उनकी गतिविधियों में सहायता करते हैं।

समाज से पोषण प्राप्त करने के आतंकवादियों के प्रयास को विफल किया जाना चाहिए : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि आम नागरिक सड़कों पर प्रदर्शन के जरिए पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं जो घाटी में शांति स्थापित करने के लिए अच्छा संकेत है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र का विकास केवल शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में ही संभव है, और जम्मू कश्मीर के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आतंकवादियों के, समाज से समर्थन प्राप्त करने के प्रयासों को विफल किया जाए। सिन्हा ने ये बातें शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में दो दिवसीय पर्यटन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। इस सम्मेलन में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा, आम नागरिक आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन घाटी में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए एक अच्छा संकेत है। सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, पूरा जम्मू कश्मीर उठ खड़ा होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आतंकवादियों को इस सुंदर केंद्र शासित प्रदेश में कोई स्थान न मिले। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब है और शांति, प्रगति और समृद्धि की ओर जम्मू कश्मीर के बढ़ते कदम को दर्शाता है। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर एक मजबूत और निरंतर प्रगति करने वाली ताकत बन चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा, ''हमने पारंपरिक पर्यटन सर्किटों को मजबूत किया है और पर्यटन के दायरे का विस्तार किया है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पर्यटन के लाभ जम्मू कश्मीर के हर कोने तक पहुंचे और लोगों के जीवन में बदलाव लाएं। उन्होंने कहा, ''पर्यटन क्षेत्र का विकास शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में ही संभव है। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने में सुरक्षा बलों की बहुत बड़ी भूमिका है, लेकिन समाज की भूमिका भी कम नहीं है। आतंकवादियों द्वारा समाज से अपना पोषण प्राप्त करने के प्रयास को विफल किया जाना चाहिए।

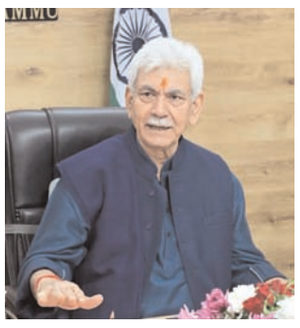

चार नदियों में भीषण बाढ़ की स्थिति, 11 नदियां चेतावनी स्तर से ऊपर बह रहीं : सीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को अपने दैनिक बुलेटिन में बताया कि असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चार नदियों में भीषण बाढ़ आ गयी है, जबकि 11 अन्य नदियां चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं। बुलेटिन के अनुसार, किसी भी नदी ने पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर को पार नहीं किया है, जबकि असम के गोलाघाट जिले में धनसिरी (दक्षिण) और नुमालीगढ़ में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी मंडला में 437.67 मीटर की ऊंचाई पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी, हालांकि जल स्तर में कमी देखी गयी है। वहीं, महाराष्ट्र के भंडारा में वैनगंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। इनके अलावा, असम, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में 11 नदियां ''सामान्य से ऊपर'' श्रेणी में दर्ज की गयी हैं, जहां जल स्तर चेतावनी स्तर को पार कर चुका है लेकिन खतरे के स्तर से नीचे बना हुआ है। इनमें असम की कई नदियां शामिल हैं, जैसे नेमाटीघाट और तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी, शिवसागर में दीखौ नदी और करीमगंज में कुशियारा नदी, जहां जल स्तर में गिरावट या स्थिरता देखी गई। यह संकेत देता है कि बाढ़ की स्थिति में सुधार हो रहा है।

ओबीसी के लिए आरक्षण की मांग को लेकर 17 जुलाई को तेलंगाना में 'रेल रोको' आंदोलन : के कविता

नई दिल्ली/भाषा। सामाजिक संगठन 'तेलंगाना जागृति' की अध्यक्ष के. कविता ने मंगलवार को कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर 17 जुलाई को तेलंगाना में 'रेल रोको' आंदोलन किया जाएगा। तेलंगाना विधानसभा ने इस साल के आरंभ में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को लेकर एक विधेयक पारित किया था।

राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को मंजूरी मिलने में देरी को लेकर कविता ने यहां प्रेसवार्ता में कांग्रेस-नीत तेलंगाना सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में की गयी जातिगत गणना भी 'त्रुटिपूर्ण' थी। तेलंगाना विधानसभा ने इस साल 17 मार्च को शैक्षणिक संस्थानों, रोजगार और ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों में पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण को 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए दो विधेयक पारित किए थे। इन दोनों विधेयकों को केंद्र की मंजूरी की आवश्यकता होगी, क्योंकि ओबीसी के लिए प्रस्तावित आरक्षण निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक होगा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता ने कहा कि ओबीसी के लिए आरक्षण की मांग को लेकर 17 जुलाई को तेलंगाना में 'रेल रोको' विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए कि केंद्र सरकार तेलंगाना के ओबीसी के दर्द को समझे, हम 17 जुलाई को राज्य में ट्रेनें रोकेंगे... इस बार यह केवल एक दिन का 'रेल रोको' होगा। अगर हमारी मांग पूरी नहीं हुई तो हम पीछे नहीं हटेंगे और हम भविष्य में अनिश्चितकालीन 'रेल रोको' भी कर सकते हैं।''

शंखेश्वर में हुआ मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी का मंगलमय चातुर्मास प्रवेश

जापान सहित भारत के विभिन्न स्थानों से आए गुरु भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाटण(गुजरात)। शहर के प्रसिद्ध शंखेश्वर महातीर्थ में सौधर्म बृहत्तपागच्छीय आचार्यश्री यन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य एवं गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी व आचार्यश्री जयरत्नसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी, अजीतसेनविजयजी का चातुर्मास प्रवेश शंखेश्वर महातीर्थ पर स्थित श्री राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर में हुआ। चातुर्मास प्रवेश की शोभायात्रा शंखेश्वर तीर्थ के मुख्य जिनालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्ग से परिभ्रमण करती हुई राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर में धर्मसभा में परिवर्तित हुई।

शोभायात्रा में अनेक आकर्षण सहित महिला मंडल, सामायिक मंडल, राजेन्द्र जैन महिला परिषद डिसा एवं अहमदाबाद की श्राविकाओं ने कलश धारण कर गुरु भगवंतो का सामैया एवं मंगलगीतों के गुंजन के साथ स्वागत किया। शोभायात्रा में शंखेश्वर जैन संघ सहित नगर के विभिन्न समाज के नागरिकों ने उपस्थित रहकर सर्वधर्म समभाव के भाव व्यक्त किए। शोभायात्रा का स्वागत शंखेश्वर जैन संघ, राष्ट्रीय स्वयं सेवक, शंखेश्वर गाम पंचायत के नागरिकों आदि ने किया। ट्रस्ट मंडल ने शोभायात्रा का स्वागत किया

चातुर्मास मंगल प्रवेश की धर्मसभा राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर के संकुल में अस्थाई निर्मित पुण्य सम्राट प्रवचन मंडप हुई जिसमें आचार्यश्री हेमचन्द्रसूरी, पूर्णचन्द्रसूरीजी, महानंदसूरीजी, दिव्यशचंद्रसूरीजी सहित अनेक साधु साध्वी उपस्थित थे। संगीतकार कुणालभाई ने संगीत के स्वरों ससभा को गुरु भक्तिमय बनाया। धर्म सभा में पधारे हुए गुरु भगवंतों को कांबली प्रदान करने का लाभ राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर ट्रस्ट द्वारा लिया गया। इस मौके पर पाटण जिला कलेक्टर वंदनसिंह सहित भारत के विभिन्न राज्यों के नगरों से बड़ी संख्या में गुरु भक्त शामिल हुए।

चातुर्मास प्रवेश प्रसंग पर आचार्य जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. के फोटो पर एवं निश्रा प्रदाता गुरु भगवंतो के गुरु पूजन का लाभ जापान से आई तुलसीबाई परिवार ने लिया। कार्यक्रम का संचालन हंसमुखभाई वेदलिया ने किया। चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम की व्यवस्था में राजेन्द्रसूरी नवकार मंदिर ट्रस्ट शंखेश्वर के अध्यक्ष एवं ट्रस्ट मंडल ओर मुनिश्री चारित्रत्नविजयजी के संसारी भाणेज केयुर दोशी अहमदाबाद व योगेश शाह का विशेष योगदान रहा।

अमेरिका के कदम से भारत को कपड़ा, 'फुटवियर' क्षेत्रों में होगा लाभः निर्यातक

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश और थाइलैंड सहित एक दर्जन से अधिक देशों पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले के बाद भारत के परिधान और 'फुटवियर' जैसे निर्यात क्षेत्रों को वहां के बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह बात कही। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। वहीं दक्षिण अफ्रीका, बोस्निया-हर्जेगोविना पर 30 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, बांग्लादेश, सर्बिया पर 35 प्रतिशत, कम्बोडिया, थाइलैंड पर 36 प्रतिशत और लाओस और म्यांमा पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने का ऐलान किया। ये शुल्क एक अगस्त से लागू होंगे। बांग्लादेश 2024 में 13.15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था। लेकिन भारत शीर्ष तीन देशों में नहीं है। बुने हुए परिधानों में कम्बोडिया की हिस्सेदारी करीब छह प्रतिशत है और वह भारत (5.09 प्रतिशत) से आगे है। एक निर्यातक ने कहा, ''अमेरिकी परिधान बाजार में भारत को बांग्लादेश और वियतनाम से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर उच्च शुल्क से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।'' निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन) के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि चमड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों को भारत के प्रतिस्पर्धी देशों से प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है।

अंबेडकर चाहते थे कि न्यायपालिका कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होः प्रधान न्यायाधीश गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने मंगलवार को यहां कहा कि डॉ. बी आर अंबेडकर ने संविधान की सर्वोच्चता की बात की थी और उनका मानना था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए। वह शीर्ष न्यायिक पद पर पदोन्नत होने पर महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा अपना अभिनंदन किए जाने के बाद बोल रहे थे।

न्यायमूर्ति गवई ने विधानमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने कहा था, ''हम सभी संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास करते हैं, जो शांति और युद्ध के दौरान देश को एकजुट रखेगा।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संविधान तीनों अंगों - कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अधिकार देता है तथा अंबेडकर के अनुसार न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों की प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करना है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने यह भी कहा था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्र में निवेश लाना हमारी प्राथमिकताः आईएफएडी अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) के अध्यक्ष अल्वारो लारियो ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में निवेश लाना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि में निवेश किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में गरीबी को कम करने में दो से तीन गुना अधिक प्रभावी है। लारियो ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में निजी पूंजी लाना जरूरी है। वैश्विक स्तर पर, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने लिए लगभग 75 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है।

वैश्विक खाद्य संकट के जवाब में 1977 में स्थापित, आईएफएडी एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है जो ग्रामीण समुदायों में भुखमरी और गरीबी की समस्या से निजात दिलाने के लिए काम करती है।

लारियो ने कहा, ''आईएफएडी की प्राथमिकता विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण जुटाना है। इसके जरिये विशेष रूप से उन लोगों के लिए दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित किया जाता है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए, वित्त एक साधन है और हम जानते हैं कि कृषि में निवेश किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में गरीबी को कम करने में दो से तीन गुना अधिक प्रभावी है।''

लारियो ने कहा कि आईएफएडी ने भारत के साथ लगभग 50 वर्षों से साझेदारी की है और भारत इसके संस्थापक सदस्यों में से एक है। साथ ही संस्थान के सबसे बड़े उधारकर्ताओं में से एक होने के साथ दानदाता भी है। उन्होंने कहा, ''भारत के लिए, तीन बड़े सवाल हैं... हम किसानों के लिए कृषि को अधिक लाभदायक कैसे बना सकते हैं, हम जलवायु संबंधी चुनौतियों के बीच उत्पादकता को कैसे बढ़ा सकते हैं और हम खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर कैसे बढ़ सकते हैं।'' आईएफएडी के अध्यक्ष ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक हैं। बढ़ते तापमान, बदलते वर्षा प्रतिरूप और अत्यधिक गर्मी, सर्दी और बारिश की घटनाओं ने पहले से ही पैदावार को कम करने के साथ ग्रामीण आजीविका को बाधित किया है।'' लारियो ने कहा, ''इसलिए हम जानते हैं कि छोटी जोत के किसानों को इनमें से कई जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से पार पाने के लिए कम-से-कम 75 अरब डॉलर की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत के मामले में हम मौसमी जल की कमी, बढ़ते तापमान, लगातार सूखे को देख रहे हैं। इसलिए ऐसे कई निवेश हैं जो वास्तव में वैश्विक स्तर पर इन छोटी जोत के किसानों का समर्थन कर सकते हैं। वैश्विक जलवायु वित्त में, इन छोटे उत्पादकों, करोड़ों ग्रामीण लोगों को समग्र वैश्विक जलवायु वित्त का केवल एक प्रतिशत से भी कम प्राप्त हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि भारत में कृषि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 20 प्रतिशत है और यह लगभग 42 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार देता है। लारियो ने कहा, ''इसलिए भले ही बहुत प्रगति हुई है, लेकिन हमारा मानना है कि गरीब-समर्थक समावेशी मूल्य श्रृंखला में निवेश जारी रखना और छोटे उत्पादकों को बाजारों से जोड़ना महत्वपूर्ण बना हुआ है।'' उन्होंने क्षेत्र में निजी पूंजी लाने की जरूरत भी बतायी।

उच्च न्यायालय ने ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही बच्ची को 'संथारा' व्रत ग्रहण मामले में उसके माता-पिता और सरकार से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने इंदौर में ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही तीन वर्षीय लड़की को 'संथारा' व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद उसकी मौत के सिलसिले में दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को उसके माता-पिता और सरकार से जवाब मांगा।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विवेक रुसिया और न्यायमूर्ति बिनोद कुमार द्विवेदी ने इस याचिका पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के साथ ही 'संथारा' व्रत ग्रहण कराए जाने के बाद दम तोड़ने वाली तीन वर्षीय लड़की के माता-पिता को नोटिस जारी किया। युगल पीठ ने प्रतिवादियों से चार हफ्तों के भीतर नोटिस का जवाब तलब किया है। जनहित याचिका पर अगली सुनवाई 25 अगस्त को हो सकती है।

यह याचिका शहर के सामाजिक कार्यकर्ता प्रांशु जैन (23) ने दायर की है। याचिका में गुहार की गई है कि नाबालिग बच्चों और मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों को 'संथारा' व्रत ग्रहण कराए जाने की प्रक्रिया पर कानूनी रोक लगाई जाए क्योंकि इस प्रक्रिया के कारण संबंधित व्यक्ति के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन होता है।

'संथारा' जैन धर्म की प्राचीन प्रथा है जिसका पालन करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से अन्न-जल, दवाएं और अन्य सांसारिक वस्तुएं छोड़कर प्राण त्यागने का फैसला करता है।

जैन के वकील शुभम शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जनहित याचिका में कहा गया है कि 'संथारा' की प्रक्रिया शुरू किए जाने से पहले यह व्रत लेने वाले व्यक्ति की सहमति की आवश्यकता होती है, लेकिन ब्रेन ट्यूमर से जूझ रही तीन साल की अबोध बच्ची को कथित तौर पर जबरन यह व्रत दिला दिया गया जिससे उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया, बच्ची की मौत के बाद उसके माता-पिता के आवेदन पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने बच्ची के नाम विश्व कीर्तिमान का उत्कृष्टता प्रमाण पत्र जारी किया। इस प्रमाण पत्र में बच्ची को जैन विधि-विधान के मुताबिक संथारा व्रत ग्रहण करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की शख्स बताया गया है।

शर्मा ने यह भी बताया कि 'संथारा' व्रत दिलाए जाने के बाद तीन वर्षीय लड़की की मौत का मामला मीडिया के जरिये सामने आने के बाद उनके मुवक्किल ने केंद्र और राज्य सरकार को इसके खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन इस पर कोई भी कदम नहीं उठाए जाने के कारण उन्होंने आखिरकार अदालत का दरवाजा खटखटाया।

'संथारा' व्रत दिलाए जाने के बाद प्राण त्यागने वाली लड़की के माता-पिता सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के पेशेवर हैं। लड़की की मौत पर बवाल मचने के बाद उसके माता-पिता ने दावा किया था कि उन्होंने 21 मार्च की रात एक जैन मुनि की प्रेरणा से अपनी इकलौती संतान को यह व्रत दिलाने का फैसला ऐसे वक्त लिया, जब वह ब्रेन ट्यूमर के कारण बेहद बीमार थी और उसे खाने-पीने में भी दिक्कत हो रही थी।

लड़की के माता-पिता के मुताबिक जैन मुनि द्वारा 'संथारा' के धार्मिक विधि-विधान पूरे कराए जाने के चंद मिनटों के भीतर ही उनकी बेटी ने प्राण त्याग दिए थे।

जैन समुदाय की धार्मिक शब्दावली में संथारा को 'सल्लेखना' और 'समाधि मरण' भी कहा जाता है। इस प्राचीन प्रथा के तहत कोई व्यक्ति अपने अंतिम समय का आभास होने पर मृत्यु का वरण करने के लिए अन्न-जल और सांसारिक वस्तुएं त्याग देता है।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने वर्ष 2015 में 'संथारा' प्रथा को भारतीय दंड विधान की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 309 (आत्महत्या का प्रयास) के तहत दंडनीय अपराध करार दिया था। हालांकि, जैन समुदाय के अलग-अलग धार्मिक निकायों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने राजस्थान उच्च न्यायालय के इस आदेश के अमल पर रोक लगा दी थी।

चीनी पेशेवरों की वापसी से आईफोन-17 के उत्पादन पर कोई असर नहीं: सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एप्पल वेंडर के संयंत्र से चीनी प्रौद्योगिकी पेशेवरों की वापसी से आगामी आईफोन-17 के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार आगे बढ़ रही है।

सूत्रों के अनुसार, भारत में एप्पल के वेंडर फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने भी चीन से पूंजीगत वस्तुओं की आपूर्ति में ढील का अनुभव किया है। ये वस्तुएं आईफोन के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। आईफोन विनिर्माण के घटनाक्रम से अवगत एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''फॉक्सकॉन से चीनी पेशेवरों की वापसी से आईफोन के उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। भारत में आईफोन-17 का उत्पादन तय समय के अनुसार होगा।'' इस मामले पर एप्पल, फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। कई सूत्रों ने बताया कि फॉक्सकॉन इंडिया के संयंत्रों में काम करने वाले सैकड़ों चीनी पेशेवर पिछले दो माह में चीन लौट गए हैं। उन्होंने बताया कि ये इंजीनियर निर्माण श्रृंखला और कारखाना डिजाइन को संभाल रहे थे। इन पर उपकरण और मशीनों को संभालने के लिए प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी भी थी।

एक सूत्र ने कहा कि उत्पादन बढ़ाने की एप्पल की योजना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एप्पल ने इस साल आईफोन उत्पादन को बढ़ाकर छह करोड़ इकाई करने की योजना बनाई है, जो 2024-25 में लगभग 3.5-4 करोड़ इकाई था।

आंध्र प्रदेश ने केंद्र से 'तोतापुरी' आम की पूरी खरीद का खर्च वहन करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री किंजरापु अच्चन्नायडू ने केंद्र से राज्य में चालू सत्र में बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत 6.5 लाख टन 'तोतापुरी' आम की खरीद के लिए 260 करोड़ रुपए का पूरा खर्च वहन करने को कहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ बैठक में अच्चन्नायडू ने बताया कि चित्तूर जिले में 12 रुपए प्रति किलोग्राम के समर्थन मूल्य पर आमों की खरीद चल रही है। इसमें से व्यापारी/फैक्ट्रियां आठ रुपए प्रति किलोग्राम का भुगतान कर रही हैं और शेष चार रुपए प्रति किलोग्राम एमआईएस मानदंडों के अनुसार केंद्र और राज्य द्वारा 50:50 प्रतिशत वहन किया जाता है। तोतापुरी आम की तोड़ाई मई और अगस्त के बीच की जाती है और इसकी आवक बढ़ने का चरम समय जून-जुलाई है। आंध्र प्रदेश में आम का उत्पादन वर्ष 2025-26 सत्र में 49.86 लाख टन होने का अनुमान है।

हालांकि, राज्य मंत्री ने स्थानीय कीमतों में भारी गिरावट को देखते हुए एमआईएस के तहत मूल्य कमी भुगतान के हिस्से के रूप में चौहान से ''100 प्रतिशत खर्च वहन करने'' का आग्रह किया। उन्होंने अगस्त, 2025 तक खरीद योजना को लागू करने की अनुमति भी मांगी। इस साल राज्य में 'तोतापुरी' आम की कीमतें 17.50 रुपए प्रति किलोग्राम की उत्पादन लागत के मुकाबले घटकर चार रुपए प्रति किलोग्राम रह गई हैं, क्योंकि उत्पादन अधिक है और आम के गूदे की फैक्ट्रियों में स्टॉक जमा हो गया है। बैठक में नागर विमानन मंत्री के आर नायडू भी मौजूद थे।

बीजापुर में नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में किया विस्फोट, सीआरपीएफ के दो जवान घायल

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिमापुर-मुरदण्डा मार्ग पर बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के दो जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के दल को आवापल्लीबासागुड़ा मार्ग पर गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल जब तिमापुर-मुरदण्डा गांव में था तभी नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया। इस घटना में दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बीजापुर जिला अस्पताल लाया गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

स्कूल वैन ट्रेन की चपेट में आयी, तीन छात्रों की मौत, रेलवे गेटकीपर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कडलूर। तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार की सुबह एक स्कूल वैन के चलती ट्रेन की चपेट में आने के कारण तीन छात्रों की मौत हो गयी। वहीं, इस घटना को लेकर अलग-अलग बयान सामने आ रहे हैं।

दक्षिण रेलवे ने इस ''दुखद घटना'' के लिए माफी मांगी है और उसने बताया कि रेलवे फाटक पर तैनात 'गेटकीपर' को निलंबित कर दिया गया है तथा उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि सुबह करीब पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया और इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई।

पुलिस ने बताया कि स्कूली छात्रों को ले जा रही वैन टक्कर लगने के बाद रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी। लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया। टेलीविजन पर प्रसारित घटना के दृश्यों में देखा जा सकता है कि पीले रंग की स्कूल वैन के परखच्चे उड़ गए। दक्षिणी रेलवे ने कहा कि फाटक बंद था और वैन चालक ने देरी से बचने के लिए फाटक खोलने पर जोर दिया, जबकि वैन चालक और घायलों में एक छात्र ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था। दक्षिणी रेलवे ने चेन्नई में एक विज्ञप्ति में कहा, ''दुखद बात यह है कि तीन छात्रों की मौत हो गई तथा एक छात्र और वैन चालक घायल हो गए, जिन्हें कडलूर के सरकारी अस्पताल/ जिपमर पुडुचेरी में भर्ती कराया गया है।'' एक घायल छात्र की एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गयी। कडलूर राज्य की राजधानी चेन्नई से करीब 190 किलोमीटर दूर है। दुर्घटना के समय वैन में चार छात्र और चालक मौजूद था। दक्षिणी रेलवे ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जब वैन फाटक पर पहुंची तो फाटक बंद था। उसने विज्ञप्ति में कहा, वैन चालक ने स्कूल पहुंचने में देरी से बचने के लिए फाटक पार करने की अनुमति देने के लिए कहा और गेटकीपर ने नियमों एवं प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर फाटक पार करने की अनुमति दे दी। गेटकीपर को नियमों के अनुसार फाटक नहीं खोलना चाहिए था। गेटकीपर को निलंबित कर दिया गया है और उसे सेवा से बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है तथा इस आपराधिक लापरवाही के लिए उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। गेटकीपर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें दावा किया गया है कि इस एल.सी. फाटक पर दक्षिण रेलवे द्वारा एक अंडरपास को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है, लेकिन जिला कलेक्टर द्वारा पिछले एक वर्ष से इसके लिए अनुमति नहीं दी जा रही है। इस बीच, घायलों में शामिल 12वीं कक्षा के एक छात्र विश्वेष और चालक शंकर ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था। विश्वेष ने एक टीवी चैनल को बताया कि न तो फाटक बंद था और न ही वहां कोई सिग्नल था।

उसने दावा किया, ''फाटक खुला हुआ था, ट्रेन का कोई हॉर्न नहीं बज रहा था। इसलिए चालक आगे बढ़ा और अचानक ट्रेन आयी तथा हादसा हो गया।'' अस्पताल में उपचार करा रहे वैन चालक ने भी दावा किया कि फाटक खुला हुआ था। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना देखकर पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे एक व्यक्ति को क्षतिग्रस्त तार से करंट लग गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेलवे ने जान की हानि और लोगों के घायल होने पर गहरा खेद व्यक्त किया तथा इस दुखद घटना के लिए माफी मांगी है। विज्ञप्ति में कहा गया है, रेलवे के डॉक्टर भी सरकारी अस्पताल में भर्ती मरीजों और जिपमर, पुडुचेरी में भर्ती एक मरीज की निगरानी कर रहे हैं। रेलवे आज मृतकों के परिजनों के लिए पांच लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए ढाई लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि जारी करेगा।''

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने छात्रों की मौत पर दुख जताया और मृतकों के अभिभावकों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के हवाले से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने गंभीर रूप से घायल हुए तथा उपचाराधीन लोगों को एक-एक लाख रुपये तथा मामूली रूप से घायल हुए लोगों को 50-50 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सा राहत वैन के साथ एक रेलवे राहत ट्रेन को घटनास्थल पर भेजा गया है। दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक, मंडलीय रेलवे प्रबंधक तथा वरिष्ठ अधिकारी बचाव एवं राहत प्रयासों पर नजर रखने के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं। इस हादसे में बिजली का एक खंभा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, अन्ना द्रमुक प्रमुख और विपक्ष के नेता ई. के. पलानीस्वामी और एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरण सहित अन्य ने घटना पर दुख व्यक्त किया तथा छात्रों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

राजस्व में वृद्धि के बावजूद तमिलनाडु में कोई नयी परियोजना नहीं : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य के राजस्व में वृद्धि के बावजूद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के शासन में तमिलनाडु में कोई नयी परियोजना नहीं लाई गई।

पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि हालांकि राजस्व में वृद्धि के कारण कर्ज में कमी आनी चाहिए लेकिन सत्तारूढ़ सरकार ऋण पर बहुत अधिक निर्भर है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, द्रमुक शासन के चार साल के दौरान कर्ज बढ़कर 4.38 लाख करोड़ रुपये हो गया है और राज्य सरकार इस वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये और उधार लेने वाली है। जब राज्य का राजस्व बढ़ रहा है तो उधार लेने की क्या जरूरत है?

पलानीस्वामी ने 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान अभियान के दूसरे दिन की शुरुआत यहां 'रेसकोर्स ट्रैक' पर सुबह की सैर कर रहे लोगों से बातचीत करके की। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने स्वीकार किया है कि 2024-25 के दौरान राजस्व बढ़कर 1.35 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पलानीस्वामी ने कहा, ''राजस्व बढ़ रहा है, कर्ज भी बढ़ रहा है और राज्य ने द्रमुक शासन में कोई नयी परियोजना नहीं देखी।'' उन्होंने ''झूठे आश्वासनों'' के बल पर सत्ता में आने पर द्रमुक शासन की आलोचना करते हुए कहा कि चार लाख सरकारी पदों को भरने का उसका 2021 का चुनावी वादा अधूरा है।

उन्होंने कहा, ''एक महीने में लगभग 20,000 सरकारी कर्मचारी दो महीने पहले सेवानिवृत्त हुए और पिछले चार साल में 75,000 सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं लेकिन सरकार ने केवल 50,000 को ही नौकरी दी है।''

पलानीस्वामी ने सुबह की सैर कर रहे लोगों के साथ बातचीत में 2011 से 2021 तक अन्नाद्रमुक के शासन के दौरान कोयंबटूर के विकास के लिए की गई सरकार की पहलों पर प्रकाश डाला। उनके साथ पूर्व राज्य मंत्री और कोयंबटूर के नेता एस पी वेलुमणि और अन्य नेता भी थे।

'मानसी' परियोजना का शुभारंभ

मानसिक रूप से असहाय महिलाओं को मिलेगा नया संबल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांचीपुरम। रेहोबोथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, कैरिटास इंडिया और रूप वीके जैन फाउंडेशन (हाईवे रूप प्रिसिजन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सीएसआर शाखा) के संयुक्त प्रयास से चेन्नई के रेहोबोथ महिला आश्रय गृह में मानसिक रूप से असहाय महिलाओं के मनोवैज्ञानिक पुनर्वास हेतु 'मानसी' नामक एक अभिनव परियोजना का शुभारंभ किया गया।

समाज में महिला सशक्तिकरण और पुनर्समावेशन की दिशा में यह परियोजना एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य सहायता, जीवन कौशल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामुदायिक पुनः एकीकरण जैसी सेवाएं प्रदान करना है। शुभारंभ समारोह में हाईवे रूप के अध्यक्ष मोहित ओसवाल, सीईओ धर्मेश अरोड़ा, प्लांट हेड एमजीवी विजयेन्द्र, कैरिटास इंडिया के कार्यकारी निदेशक फादर आर. जेसुदास, रेहोबोथ ट्रस्ट के ज़ोरैदा सैमुअल, एनआईईपीएमडी के निदेशक डॉ. ए. अमरनाथ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए। रूप वीके जैन फाउंडेशन पिछले चार वर्षों से रेहोबोथ आश्रय गृह में महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं और सहायता प्रदान कर रहा है।

'मानसी' परियोजना इस दीर्घकालिक प्रयास को विस्तार देने का एक सार्थक कदम है, जो मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को सशक्तिकरण से जोड़ता है। 'मानसी' परियोजना एक साझा दृष्टिकोण का प्रतीक है-जहाँ कॉर्पोरेट, नागरिक समाज और स्वास्थ्य सेवा संस्थाएं मिलकर एक समावेशी, दयालु और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही हैं, ताकि कोई भी महिला पीछे न छूटे।

इंडियन बैंक ने केंद्र सरकार को 1,616 करोड़ रुपये का लाभांश दिया

इंडियन बैंक Indian Bank

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1,616 करोड़ रुपये से अधिक का लाभांश चेक केंद्र सरकार को सौंपा है।

इंडियन बैंक ने मंगलवार को बयान में कहा कि बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1,616.14 करोड़ रुपये का लाभांश चेक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा।

इस मौके पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। बयान के अनुसार, बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 16.25 रुपये का लाभांश घोषित किया है, जो इसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के साथ भारत सरकार समेत सभी पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने के इसके समर्पण को दर्शाता है।

हुंडई मोटर इंडिया और आईआईटी मद्रास ने हुंडई एचटीडब्लूओ इनोवेशन सेंटर डिजाइन का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) और गाइडेंस तमिलनाडु के साथ साझेदारी में आज हुंडई एचटीडब्ल्यूओ इनोवेशन सेंटर के डिजाइन का अनावरण किया। यह एक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है जो ग्रीन हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी और इसके पारिस्थितिकी तंत्र के क्षेत्र में नवाचार के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। तमिलनाडु सरकार के उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य मंत्री थिरु. टीआरबी राजा द्वारा अनावरण किए गए इस केंद्र को राज्य सरकार के सहयोग से विकसित किया जा रहा है और यह चेन्नई के थाईयूर में आईआईटी मद्रास के डिस्कवरी सैटेलाइट कैंपस के भीतर स्थित होगा।

यह मील का पत्थर भारत में ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन को आगे बढ़ाने के लिए एचएमआईएल की 100 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के अगले चरण को दर्शाता है। एचएमआईएल द्वारा अपनी सीएसआर पहलों के हिस्से के रूप में हुंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन (एचएमआईएफ) के माध्यम से आंशिक रूप से किया गया यह वित्तपोषण भारत में स्वच्छ ऊर्जा को आगे बढ़ाने और टिकाऊ नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हुंडई की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। आईआईटी मद्रास अपने थाईयूर स्थित डिस्कवरी कैंपस में 65,000 वर्ग फीट के विशाल क्षेत्र में फैले इस केंद्र की स्थापना करेगा, जिसमें उन्नत कम्प्यूटेशनल और प्रायोगिक प्रयोगशालाएँ होंगी। हाइड्रोजन इंफ्रास्ट्रक्चर के डिजिटल ट्विन्स के विकास के साथ-साथ कस्टमाइज्ड टेस्ट रिग्स और फैब्रिकेशन लाइन्स इलेक्ट्रोलाइजर्स और फ्यूल सेल्स के पायलट-स्तर के मूल्यांकन में योगदान देंगी। यह औद्योगिक पैमाने के उत्पादों के लिए कंटेनरीकृत पायलट डेमोस्ट्रेटर के लिए परीक्षण क्षेत्रों की मेजबानी भी करेगा।

डिजाइन अनावरण समारोह में बोलते हुए तमिलनाडु सरकार के उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य मंत्री थिरु. टीआरबी राजा ने कहा, हुंडई मोटर इंडिया और आईआईटी मद्रास के प्रयासों से मुझे भारत की अद्भुत क्षमताओं का अहसास हुआ है और हम यहां बस इसी का जश्न मनाने आए हैं। इस अद्भुत जगह में जो संभावनाएं हैं और बाकी दुनिया अब उन संभावनाओं की ओर देख रही है। हुंडई एचटीडब्लूओ इनोवेशन सेंटर स्वदेशी हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना के सभी हितधारकों को धन्यवाद देते हुए, थिरु. टीआरबी राजा ने कहा, भारत की तरह ही तमिलनाडु में भी अपार संभावनाएं हैं। भारत के विकास के लिए, तमिलनाडु को तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है और तमिलनाडु अपनी अद्भुत प्रतिभा के माध्यम से यही कर रहा है। हम ऑटोमोबाइल की राजधानी हैं, हम इलेक्ट्रॉनिक्स की राजधानी हैं, और तकनीक की राजधानी हैं, मुख्य रूप से हमारे पास मौजूद प्रतिभा और वितरित विकास के कारण और हमारे लोगों द्वारा शिक्षा को अपनाने के तरीके के कारण। यही आईआईटी मद्रास का उद्देश्य है, मानव पूंजी का जश्न मनाना और कैसे लोग इस अद्भुत ग्रह पर किसी विशेष स्थान के लिए बदलावकर्ता बन सकते हैं

इसके अलावा, थिरु. टीआरबी राजा ने कहा, मैं तमिलनाडु को न केवल भारत बल्कि एशिया की आरएंडडी राजधानी बनते देखना पसंद करूंगा। यह निश्चित रूप से संभव है और मुझे नहीं लगता कि हमें तकनीक की ओर वापस लौटना चाहिए, जिस पर पहले ही विजय प्राप्त की जा चुकी है। हमें भविष्य की ओर छलांग लगानी चाहिए और उन समस्याओं को हल करने का प्रयास करना चाहिए। हम यहां बिल्कुल यही कर रहे हैं... नीति निर्माण दुनिया के किसी भी हिस्से में विकास की कुंजी है। नीति निर्माण वह जगह है जहां से सब कुछ शुरू होता है... इसलिए, नीति लेखन को ही बड़ा प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है। मैं आईआईटी मद्रास में और अधिक नीति स्कूल खोलना पसंद करूंगा।

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अनसू किम ने कहा, हुंडई में, हम मानते हैं कि हाइड्रोजन वैश्विक कार्बन तटस्थता प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हुंडई क्ध्थज इनोवेशन सेंटर के साथ, हमारा लक्ष्य वैश्विक विशेषज्ञता और स्थानीय हरित हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाकर ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक खुला मंच विकसित करना है। यह पहल स्थानीय नवाचार को सशक्त बनाने, प्रतिभा को पोषित करने और स्केलेबल, किफ़ायती और टिकाऊ हाइड्रोजन समाधानों के विकास का समर्थन करके 'मेक इन इंडिया' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। आईआईटी मद्रास और तमिलनाडु सरकार के साथ हमारा सहयोग भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य को आगे बढ़ाने और हाइड्रोजन-संचालित कल के लिए एक मजबूत आधार स्थापित करने के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस अवसर पर चेन्नई में कोरिया गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास चांग-न्युन किम, एचएमआईएल के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य विनिर्माण अधिकारी गोपालकृष्णन सीएस, एचएमआईएल के फंक्शन हेड जेडब्ल्यू रयू, सीएसआईआर राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे के निदेशक डॉ. आशीष लेले, आईआईटी मद्रास के डीन (एसीआर) प्रोफेसर अश्विन महालिंगम और आईआईटी मद्रास के रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर, परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अरविंद कुमार चंदिरन सहित कई प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी गौरवान्वित किया।

टीवीएस आईएलपी का इनविट एनएसई में सूचीबद्ध

1,300 करोड़ से अधिक जुटाये

चेन्नई। टीवीएस इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक्स पार्क्स (टीवीएस आईएलपी) ने मंगलवार को अपने अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) टीवीएस इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने की घोषणा की। इसके जरिये कंपनी ने 1,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। कंपनी ने बयान में कहा कि टीवीएस इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने 2,000 करोड़ रुपये के यूनिट जारी किए। इनमें से प्रमुख वैश्विक और घरेलू निवेशकों से 1,300 करोड़ रुपये के यूनिट के लिए बोलियां मिली। इस रणनीतिक पहल को विश्व बैंक समूह के सदस्य अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और एलएंडटी सहित वैश्विक और घरेलू निवेशकों का समर्थन मिला है।

आईएफसी ने टीवीएस इनविट में शुरुआती सूचीबद्धता में 348 करोड़ रुपये का निवेश किया है। टीवीएस आईएलपी ने कहा कि यह भारत में वेयरहाउसिंग' इनविट में आईएफसी का पहला इक्विटी निवेश है। गोदाम और औद्योगिक बुनियादी ढांचा बनाने वाली टीवीएस इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक्स पार्क्स (टीवीएस आईएलपी) ने कहा कि इस पेशकश में 1,050 करोड़ रुपये का नया निर्गम और एक मौजूदा यूनिटधारक द्वारा 250 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश शामिल है। टीवीएस आईएलपी, टीवीएस मोबिलिटी ग्रुप का हिस्सा है और टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस (टीवीएस एससीएस) और रवि स्वामीनाथन एंड फैमिली का एक संयुक्त उद्यम है।

टीवीएस इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक्स पार्क्स के संस्थापक और वाइस चेयरमैन रवि स्वामीनाथन ने कहा, आज का दिन हमारे अवसंरचना निवेश ट्रस्ट के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है...वेयरहाउसिंग (गोदाम) में भारत का पहला इनविट होना इस बात का एक मजबूत प्रमाण है कि जब दीर्घकालिक दृष्टि मजबूत निष्पादन से मिलती है तो क्या हासिल किया जा सकता है।

कार और ट्रक की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

विपरीत दिशा से आ रही मिनीवैन आ गई गलत लेन में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर। तंजावुर-कुंभकोणम मोटरमार्ग पर मंगलवार की सुबह एक कार और मिनी ट्रक' के आपस में टकरा जाने के कारण एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि चेन्नई के पेरुंगलथुर निवासी एस. कुमार (57) अपने परिवार के साथ कार से बृहदेश्वर मंदिर जा रहे थे और सुबह करीब साढ़े 10 बजे यह हादसा हो गया। विक्रवंडी-तंजावुर राजमार्ग पर कार के कुरुंगलूर से गुजरते समय धान की बोरियां लेकर विपरीत दिशा से आ रही एक मिनीवैन गलत लेन में आ गई।

पुलिस ने बताया कि तेज गति से आ रही कार ट्रक से टकरा गई, जिससे चालक को संभलने का समय ही नहीं मिला। कुमार की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार में सवार उनकी पत्नी जया (55), उनकी बेटी दुर्गा (32) और नवासी नीलावेणी सूर्या (3) ने भी बाद में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मिनीवैन के चालक समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए, जिनका तंजावुर स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। तंजावुर तालुक पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

भाजपा ने कैथोलिक संस्था की युवाओं से राजनीति में आने की अपील का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) की ईसाई युवाओं से मुख्यधारा की राजनीति में शामिल होने की अपील का स्वागत किया है और कहा है कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि उनकी पार्टी युवाओं के राजनीति में प्रवेश करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का समर्थन करती है। उन्होंने पोस्ट में कहा, विकसित केरल के लिए ऐसे दूरदर्शी युवा नेताओं की जरूरत है जो सभी के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों। चंद्रशेखर ने लिखा, सामाजिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने और समाज की सेवा करने के लिए ईसाई युवाओं से की गई केसीबीसी की अपील की सराहना करता हूं। भाजपा की केरल इकाई उन युवाओं का गर्मजोशी से स्वागत करती है जो राजनीति में आकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। विकसित केरल के लिए सभी के विकास हेतु प्रतिबद्ध दूरदर्शी युवा नेताओं की जरूरत है।

भाजपा नेता की यह टिप्पणी उस अपील के दो दिन बाद आई है, जिसमें केरल की एक प्रमुख कैथोलिक संस्था ने ईसाई युवाओं से राजनीति में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा था कि मुख्यधारा की राजनीति से दूरी बनाना उचित नहीं है। केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) के युवा आयोग ने छह जुलाई को युवाओं के लिए जारी अपने परिपत्र में यह अपील की थी। परिपत्र में कहा गया था, आज की राजनीतिक स्थिति अत्यधिक अव्यवस्थित और भ्रमित करने वाली है, ऐसे में नेतृत्व कौशल और विवेकशीलता रखने वाले समुदाय के युवाओं का राजनीति से दूर रहना उचित नहीं है।'' इसमें यह भी रेखांकित किया गया कि समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सुलझाने के लिए ज्ञान और प्रतिभा से युक्त नयी पीढ़ी का राजनीति में आना अत्यंत आवश्यक है। केसीबीसी युवा आयोग के अध्यक्ष क्रिस्तुदास आर द्वारा जारी यह परिपत्र सभी संप्रदायों की, कैथोलिक गिरजाघरों में रविवार को सामूहिक प्रार्थना के दौरान पढ़ा गया।

चातुर्मास आध्यात्मिक जागृति और सामाजिक समरसता का पर्व है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, संयम और सामाजिक सद्भाव का विशेष काल है, जिसमें साधु-संत एक स्थान पर ठहरकर साधना, ध्यान और तपस्या करते हैं तथा समाज को नैतिक मूल्यों की शिक्षा देते हैं। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को आध्यात्मिक चातुर्मास महोत्सव समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में सुभाष नगर स्थित जैन स्थानक में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आमजन को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि जैन धर्म जीवदया, अहिंसा और आत्मशुद्धि का प्रतीक है तथा चातुर्मास के माध्यम से इन मूल्यों को जनमानस तक पहुँचाया जाता है। उन्होंने कहा कि सच्चा साधु वही है जो समाज के कल्याण के लिए कार्य करता है और दूसरों के हित में किया गया कार्य ही सच्ची सिद्धि है। यह परंपरा भगवान महावीर के काल से चली आ रही है, जिसका उद्देश्य समाज में नैतिक जागरूकता और आध्यात्मिक चेतना जागृत करना है। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि चातुर्मास के दौरान दिए जाने वाले प्रवचन व्यक्ति के अंतर्मन को जागृत करते हैं और समाज में सकारात्मक सोच का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को मिटाने के अनेक प्रयास इतिहास में हुए, लेकिन इसकी गहराई और मूल्यों के कारण यह संस्कृति आज भी अक्षुण्ण बनी हुई है। राज्यपाल ने नवीन शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन पर बल देती है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसे शिक्षाविद तैयार होंगे, जो आधुनिक ज्ञान के साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत को भी आत्मसात करेंगे। राज्यपाल बागड़े ने मंच पर विराजित जैन साध्वियों से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके द्वारा समाज को दिए जा रहे आध्यात्मिक मार्गदर्शन की सराहना की।

सावन में फिर जोर पकड़ेगा राजस्थान में मानसून

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून अभी एक दो दिन कमजोर रहेगा, लेकिन इसके सावन की शुरुआत में फिर जोर पकड़ने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार 10 जुलाई से राज्य के कई जिलों में फिर भारी बारिश होने का अनुमान है। इसके अनुसार मंगलवार को भरतपुर, कोटा, जयपुर, उदयपुर व बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने तथा शेष ज्यादातर स्थानों पर मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 10 जुलाई से जबकि पश्चिमी राजस्थान में 12 जुलाई से भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की पूरी उम्मीद है। इसने बताया कि 10 जुलाई को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश व 11-12 जुलाई को कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर तथा उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी व अतिभारी बारिश हो सकती है। पंचाग के अनुसार इस साल सावन 11 जुलाई से लग रहा है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग में आगामी तीन से चार दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी ने बताया कि 12 जुलाई से पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी। इसने बताया कि मंगलवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य में कहीं कहीं हल्की से मध्यम व एक से दो स्थानों पर भारी बारिश हुई। इसने बताया कि सर्वाधिक 103 मिलीमीटर बारिश विजयनगर (अजमेर) में दर्ज की गई और इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाउ लाल वैष्णव का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाउ लाल वैष्णव का मंगलवार को यहां निधन हो गया। वह करीब 81 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ दिनों से गंभीर रूप से बीमार थे और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में भर्ती थे। एम्स सूत्रों के अनुसार दाउ लाल वैष्णव ने मंगलवार पूर्वाह्न 11:52 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन पर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई नेताओं ने गहरा शोक प्रकट किया है।

बागड़े ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इसी तरह शर्मा ने दुख जताते हुए कहा कि अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊ लाल वैष्णव के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त उनके परिजनों के साथ है। ईश्वर दिवगंत की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें। देवनानी ने अपने शोक संदेश में कहा कि दाऊ लाल वैष्णव एक सरल एवं मूल्यनिष्ठ जीवन जीने वाले आदर्श व्यक्ति थे। उनका जीवन सादगी, सेवा और संस्कारों का प्रतीक था। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। वह एक अनुभवी वकील और आयकर सलाहकार थे, जिन्होंने कई वर्षों तक जोधपुर में प्रैक्टिस की। उनका मुख्य पेशा कानूनी सेवाएं और कर परामर्श देना था। अपने पेशेवर करियर के अलावा, उन्होंने अपने पैतृक गांव, जीवंद कला में सरपंच का पद भी संभाला, जो उनके मज़बूत नेतृत्व और जमीनी स्तर के शासन से जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की ईश्वर से कामना की।

शेखावत ने अश्विनी वैष्णव के पिता दाउ लाल के निधन के समाचार को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा दाउ लाल वैष्णव एक सरल और कर्मनिष्ठ व्यक्ति थे। मुझे हमेशा उनसे पितृवत स्नेह मिला है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और अश्विनी वैष्णव और उनके परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति मिले। गहलोत ने भी ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना की। इसी प्रकार अन्य कई नेताओं ने दाउलाल वैष्णव के निधन पर दुख प्रकट किया है।

हमारी सरकार गरीब को गणेश मानकर कर रही सेवा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण को समर्पित है और इसी भावना के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीब, किसान, युवा एवं महिला इन चारों जातियों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे जिससे उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को गति मिलेगी।

शर्मा मंगलवार को चूरू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू अपनी अनूठी स्थापत्य कला और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। साथ ही, तालछापर अभयारण्य के काले हिरण और प्रवासी पक्षियों का कलरव प्रकृति प्रेमियों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। यहां की कलात्मक हवेलियां, भित्तिचित्र और अन्य ऐतिहासिक धरोहर चूरू के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास से रूबरू कराती हैं।

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में रास्तों से अतिक्रमण हटाने, भूमि के स्वामित्व मिलने जैसे बरसों से लंबित काम पूरे हो रहे हैं। साथ ही, शिविरों के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को पौध वितरण, मृदा नमूनों के संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पशुपालकों को मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी इन शिविरों में किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। उनके द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की योजनाओं से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का उत्थान हो रहा है। साथ ही, उनके कुशल मार्गदर्शन में देश में अभूतपूर्व विकास कार्य के साथ-साथ आतंकवाद-नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशानुसार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास की अवधारणा पर राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार को गरीब के हित से कोई सरोकार नहीं था जबकि हम गरीब को गणेश मानकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहे हैं। किसानों को हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से लाभान्वित कर रही है। वहीं, महिलाओं को लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरण, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, मा वाउचर सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। युवाओं को हम पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि हमने शेखावाटी में यमुना जल लाने के लिए यमुना जल समझौते के लिए हरियाणा सरकार के साथ मिलकर टास्क फोर्स गठित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने केवल डेढ साल में ही प्रदेश के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं जोकि पूर्ववर्ती सरकार के पूरे 5 साल से भी ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ साल में ही विद्युत उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की बढ़ोतरी की जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे पांच साल में केवल 3 हजार 948 मेगावाट की बढ़ोतरी दर्ज की। इसी तरह, हमने डेढ़ साल में किसानों को 253 लाख मीटर से अधिक तारबंदी के लिए अनुदान दिया तथा 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए हैं। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में केवल 113 लाख मीटर तारबंदी के लिए अनुदान दिया तथा केवल 29 हजार पौंड बनवाए। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ साल में 55 पशु चिकित्सालयों का प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नयन हुआ तथा पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे कार्यकाल में केवल 49 का ही क्रमोन्नयन किया। शर्मा ने कहा कि चूरू जिले के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए हमारी सरकार ने बजट में 834 करोड़ रुपये का प्रावधान किया तथा चूरू विधानसभा में 300 करोड़ रुपये के काम हो रहे हैं।

राजस्थान में अपराधियों और भ्रष्टाचार पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस ओर ध्यान देते हुए जनता को बेहतर शासन देना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रशासन में जनता का विश्वास पूरी तरह से खत्म होने से पहले तत्काल कार्रवाई की जाए।

गहलोत ने दौसा से कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा के यहां चोरी की घटना का जिक्र करते हुए कहा, विधायक कह रहे हैं कि उनके घर पर तीन बार चोरी हो चुकी है। एक प्रमुख अखबार ने इसे पहले पन्ने पर छापा है। आप कल्पना कर सकते हैं कि राज्य में अन्य लोगों की स्थिति कैसी होगी। कोई भी सुनने वाला नहीं है। गहलोत ने कांग्रेस की दिवंगत नेता गिरिजा व्यास की जयंती के अवसर पर यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं से यह बात कही।

उन्होंने कहा, प्रदेश के गांवों और जिलों में भी सुनवाई नहीं हो रही है। गुंडागर्दी है, माफिया हावी हैं और लोगों को पता ही नहीं है कि शिकायत कहां करें। शिकायत करने की पूरी प्रणाली ही ध्वस्त हो गयी है। गहलोत ने रेत माफियाओं की बढ़ती ताकत पर भी चिंता व्यक्त की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि बजरी के व्यापार पर माफिया का कब्जा हो गया है। बजरी अब बहुत महंगी हो गई है। पुलिस पर हमले हो रहे हैं। इतनी घटनाएं हो रही हैं और इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। गहलोत ने गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा के मामले में सरकार की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, तकनीकी रूप से 25 लाख रुपये का बीमा कवर अभी भी मौजूद है, लेकिन लोगों को यह विश्वास दिलाया गया है कि इसे घटाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। यह सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। गहलोत ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) को कमजोर करने पर भी अफसोस जताया। उन्होंने कहा, आरजीएचएस कर्मचारियों के लिए एक बेहतरीन योजना थी। अब यह योजना ध्वस्त हो चुकी है और कर्मचारी नाखुश हैं। गहलोत ने मुख्यमंत्री से विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों की पुष्टि के लिए राज्य की खुफिया सेवाओं का उपयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रचार के लिए प्रशासन की उपेक्षा की जा रही है। गहलोत ने कहा, घूमना अच्छी बात है, अगर दौरे करते हैं मैं उसको बुरा नहीं मानता। लेकिन आपको शासन भी करना होगा। मुख्यमंत्री के पास बहुत अधिकार हैं। उन्हें उस शक्ति का उपयोग करना होगा। गहलोत ने कहा, हम सार्वजनिक संपत्ति हैं। जनता को हमसे किसी भी समय शिकायत करने का अधिकार होना चाहिए, अन्यथा आपकी छवि खराब होगी और आप शासन चलाने में विफल रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा, विपक्ष आपका दुश्मन नहीं है। जब हम बोलते हैं वह आपको आगाह करने के लिए होता है कि ये हो रहा है। आपको इसे गंभीरता से लेना चाहिए। यह आपके हित में भी है।

भाषा विवाद पर राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने महाराष्ट्र के सीएम को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने महाराष्ट्र के भायंदर क्षेत्र में राजस्थानी मूल के एक प्रवासी नागरिक के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार की घटना को गंभीर और चिंताजनक बताया है। इस मामले में उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। देवासी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि भायंदर में एक व्यक्ति को केवल इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मराठी भाषा में वार्तालाप नहीं कर सका। उन्होंने इसे न केवल अमानवीय और असंवैधानिक करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि ऐसा कृत्य देश की एकता और भाषायी समरसता को गहरा आघात पहुंचाता है। राज्यमंत्री ने बताया कि

इस घटना के बाद महाराष्ट्र में निवास कर रहे कई राजस्थानी प्रवासियों ने चिंता, पीड़ा और असुरक्षा की भावना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान मूल के नागरिक लंबे समय से महाराष्ट्र में व्यापार, उद्योग और सामाजिक सौहार्द में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने अपने पत्र में महाराष्ट्र सरकार से चार ठोस मांगें की हैं। इसमें निष्पक्ष और त्वरित जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा और भाषा के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने के लिए प्रशासन को विशेष निर्देश देने की मांग शामिल है। राज्यमंत्री ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे प्रवासी समुदाय की गरिमा और सम्मान से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से आग्रह किया कि वह संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए राष्ट्र की एकता को सुदृढ़ बनाए। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि महाराष्ट्र सरकार इस घटना को गंभीरता से लेते हुए ठोस और सकारात्मक कदम उठाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न दोहराई जाएं।

कई चोरियों से 'दुखी' हुए दौसा से कांग्रेस विधायक बैरवा

जयपुर। राजस्थान के दौसा से कांग्रेस के निर्वाचित विधायक दीन दयाल बैरवा अपने यहां हुई कई कथति चोरियों से 'दुखी' हो गए हैं। एक महीने से भी कम समय में उनके मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल के बाद अब उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली कथित तौर पर चोरी हो गई है। बैरवा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दौसा में चोरों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस नाम की रह गई हैं। 11 जून को मेरा मोबाइल चोरी होना, मेरे निजी निवास से 14 जून को मोटर साइकिल व आज रात को ट्रैक्टर-ट्रॉली का चोरी होना अपने आप में कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह है? मेरा निवेदन है कि पुलिस जल्द कार्यवाही करे। दरअसल विधायक की परेशानी 11 जून को शुरू हुई, जब दौसा में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक प्रार्थना सभा के दौरान बैरवा का मोबाइल फोन चोरी हो गया। उन्होंने सोमवार को कहा, इससे पहले मेरे घर से एक कील भी नहीं चोरी हुई थी। और अब ये तीन लगातार चोरियां हो गई हैं।

दौसा के पुलिस अधीक्षक सागर ने कहा, अभी तक हमें ट्रैक्टर-ट्रॉली की चोरी के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। मोबाइल फोन के लिए, हमें शिकायत मिली थी और प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बैरवा ने कहा कि उन्होंने आज सुबह पुलिस अधीक्षक से बात की जिन्होंने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया। कांग्रेस पार्टी ने इस मामले के हवाले से राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पाटी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा है।

रीट अभ्यर्थियों ने अव्यवस्थाओं को लेकर प्रिंसिपल का किया घेराव, प्रमाण पत्र वितरण को लेकर भड़के

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर शहर के सबसे बड़े फतह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में उस समय हंगामा हो गया जब रीट परीक्षा पास कर चुके युवक-युवतियों को प्रमाण पत्र लेने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों ने स्कूल प्रशासन पर अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और स्कूल प्रिंसिपल का घेराव कर नाराजगी जताई।

अभ्यर्थियों ने बताया कि वे सभी राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (ठएएढ) उत्तीर्ण कर चुके हैं और प्रदेशभर के सरकारी विद्यालयों में रीट पात्रता प्रमाण पत्र वितरण किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में वे फतह स्कूल पहुंचे थे, जहां प्रमाण पत्र वितरण की सूचना सुबह 10:30 से एक बजे तक की दी गई थी। लेकिन जब वे स्कूल पहुंचे तो सभी काउंटर बंद मिले और किसी प्रकार का कोई स्टाफ भी मौजूद नहीं था।

जलालुद्दीन की गतिविधियां न केवल समाज विरोधी हैं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्मांतरण गिरोह के मुख्य षड्यंत्रकारी जलालुद्दीन की गतिविधियां न केवल समाज विरोधी हैं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

धर्मांतरण गिरोह के मुख्य षड्यंत्रकारी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद, आदित्यनाथ ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं।'' उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने।

उप्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने शनिवार को धर्म परिवर्तन गिरोह के कथित मुख्य षड्यंत्रकारी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को उसके सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया था। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और सह आरोपी नीतू उर्फ नसरीन बलरामपुर जिले के मधपुर के रहने वाले हैं।

रथयात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ के पुरी मंदिर लौटने पर ओडिशा में मनाया गया 'रसगुल्ला दिवस'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में मंगलवार को रसगुल्ला दिवस मनाया गया, जो वार्षिक रथ यात्रा के बाद भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के मंदिर में अपने निवास स्थान पर लौटने का प्रतीक है। रसगुल्ला दिवस 'नीलाद्रि बिजे' पर मनाया जाता है, जो देवताओं के मंदिर में लौटने की रस्म है और इस दिन उन्हें औपचारिक रूप से मिठाई चढ़ाई जाती है।

राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा, ''नीलाद्रि बिजे और रसगुल्ला दिवस के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं और ओडिशा के निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। नीलाद्रि बिजे और रसगुल्ला दिवस ओडिया संस्कृति, भक्ति और गौरव का जीवंत प्रतिबिंब है। इस पवित्र परंपरा पर सभी को भगवान का आशीर्वाद मिले। जय जगन्नाथ।'' नीलाद्रि बिजे को 2015 से रसगुल्ला दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। शोधकर्ता असित मोहंती ने कहा, ''प्रारंभिक दिनों में मंदिर में इस मिठाई को 'खीर मोहन' के नाम से जाना जाता था। यह रसगुल्ले के समान ही है।हमारा रसगुल्ला बंगाल के रसगुल्ले से बिलकुल अलग है। बंगाल का रसगुल्ला 1868 में अस्तित्व में आया, जबकि यहां इस मिठाई की शुरुआत करीब 500 साल पहले हुई थी। बलराम दास द्वारा लिखित दानी रामायण में रसगुल्ले का उल्लेख है।'' मोहंती ने रसगुल्ले की उत्पत्ति का पुरी मंदिर से संबंध का पता लगाने के लिए साक्ष्य जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

युवा आबादी को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए

नीतीश कुमार ने बिहार युवा आयोग की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे ''राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी'' के आरोपों के बीच, विधानसभा चुनाव से कुछ महीनों पहले यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने ''एक्स'' पर पोस्ट किया,''मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा उन्हें सशक्त एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है।'' उन्होंने कहा,''यह आयोग समाज में युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ समन्वय भी करेगा।'' कुमार ने कहा कि इस ''दूरदर्शी पहल'' का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर, कुशल और रोजगारपरक बनाना है ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने बताया कि बिहार युवा आयोग में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष और सात सदस्य होंगे जिनकी अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष होगी।

उन्होंने बताया कि, यह आयोग इस बात की निगरानी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि राज्य के युवाओं को राज्य के भीतर निजी क्षेत्र के रोजगार में प्राथमिकता दी जाए, साथ ही राज्य के बाहर अध्ययन और कार्य करने वाले युवाओं के हितों की भी रक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने के लिए कार्यक्रम तैयार करना तथा ऐसे मामलों पर सरकार को सिफारिशें देना भी इसका महत्वपूर्ण कार्य होगा। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह राज्य के युवाओं के लिए 19 जुलाई को यहां रोजगार मेला आयोजित करेगी।

ओडिशा में चालक संघों की हड़ताल से परिवहन व्यवस्था प्रभावित

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बस, ट्रक और अन्य वाहनों के चालकों के एक संघ ने मंगलवार को पेंशन और विश्राम शेड जैसी मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी जिससे राज्य के कई हिस्सों में निजी बस सेवाएं प्रभावित हुईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'ओडिशा ड्राइवर्स महासंघ' के बैनर तले हजारों बस, ट्रक, वैन, टैक्सी, ऑटो-रिक्शा और अन्य वाणिज्यिक वाहनों के चालकों ने अपनी मांगों को लेकर काम रोक दिया।

संघ नेता ने बताया कि वाहन चालक ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में धरना दे रहे हैं। चालकों के विरोध प्रदर्शन के कारण राज्य के कई हिस्सों में निजी बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। भुवनेश्वर, कटक, बालासोर, राउरकेला, ब्रह्मपुर और बलांगीर में बस स्टैंड पर यात्रियों को इंतजार करते देखा गया।

संघ के कोषाध्यक्ष आदित्य प्रसाद बेहरा ने कहा कि वे उन चालकों के लिए पेंशन की मांग कर रहे हैं जो 60 वर्ष की आयु के बाद वाहन नहीं चला सकते। उन्होंने कहा कि संघ दुर्घटना के बाद कार्य करने में असमर्थ चालकों को मुआवजा, प्रमुख सड़कों पर हर 100 किलोमीटर पर विश्राम शेड की सुविधा देने की मांग कर रहा है।

वियतनाम के राजदूत ममता बनर्जी से मिले, व्यापार पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत में वियतनाम के राजदूत गुएन थान हेई ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की और व्यापार एवं द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि राज्य सचिवालय में हुई इस मुलाकात में वियतनाम और पश्चिम बंगाल के बीच व्यापक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए भी चर्चा हुई। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''विभिन्न क्षेत्रों में वियतनाम और पश्चिम बंगाल के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मुख्य रूप से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बंगाल वैश्विक कारोबार शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनने के लिए स्वागत भी किया।'' उन्होंने कहा कि बैठक में पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत भी मौजूद थे। वियतनाम के मुंबई स्थित महावाणिज्यदूत ली क्वांग बिएन और दिल्ली में वियतनामी दूतावास के काउंसलर ट्रान थान तुंग भी बैठक में मौजूद रहे।

काफिले की गाड़ियों के आपस में टकराने से उप्र की मंत्री गुलाब देवी घायल

हापुड़/भाषा। उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार को हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में दिल्ली से अमरोहा जाते वक्त उस समय घायल हो गयीं जब उनकी कार काफिले के एक अन्य वाहन से टकरा गयी। इस घटना में मंत्री समेत दो लोग घायल हुए हैं। उन्हें रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार चालकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी दिल्ली से अमरोहा जा रही थीं और रास्ते में छिजारसी चौकी के पास उनकी कार काफिले में आगे चल रही गाड़ी से टकरा गयी। पुलिस के अनुसार इस दुर्घटना में गुलाब देवी को हल्की चोटें आयी हैं। इस घटना में उनगाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। उसने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मंत्री को दूसरी गाड़ी से रामा अस्पताल भेजा गया। उपचार के बाद उनका काफिला अमरोहा रवाना हो गया। पुलिस ने सम्बन्धित कार चालकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानन्जय सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मंत्री गुलाब देवी का हालचाल जाना। घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सटीक मतदाता सूची अपरिहार्य है : ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के हमले के बीच मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सटीक मतदाता सूची अपरिहार्य है। कुमार ने यहां एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बूथ स्तर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

सीईसी ने कहा कि मतदाता सूची का सटीक होना लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपरिहार्य है। विपक्ष ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग पर हमले तेज कर दिए हैं। विपक्ष का कहना है कि इस कवायद से करोड़ों मतदाता मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

वापसी को तैयार जसप्रीत बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया।

कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे। तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा।

बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाले सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं।

खेल मंत्री मांडविया ने अस्मिता भारोत्तोलन लीग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदीनगर/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को भारोत्तोलन के साथ शुरू हुई अस्मिता लीग के 2025 सत्र का उद्घाटन किया। भारोत्तोलन वारियर्स अकादमी में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में 42 लड़कियां आठ वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

मांडविया ने कहा, ''हमारा मिशन हर स्तर पर अवसर पैदा करना और फिर प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें तैयार करना है। मैं देख रहा हूं कि यहां आए इन बच्चों की आंखों में कुछ कर गुजरने की ललक है। मुझे यकीन है कि हम एक और मीराबाई चानू ढूंढने में सक्षम होंगे। मीराबाई चानू से बेहतर आदर्श कोई नहीं हो सकता।'' चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अस्मिता (महिलाओं को प्रेरित करके खेल उपलब्धि हासिल करना) में 15 खेलों में 852 लीग की योजना बनाई गई है जो लीग और प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया के लिंग तटस्थ मिशन का एक हिस्सा है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली लीग में 70 हजार से अधिक महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। पिछले सत्र में 27 खेलों में 550 लीग का आयोजन किया गया था जिसमें 53,101 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया था। मांडविया ने कहा, ''हम भारत के हर कोने तक पहुंचने और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि अब हमारे पास आपके आगे बढ़ने और चमकने का एक रास्ता है। हमारी खेलो भारत नीति (खेल नीति) को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ मिलकर हम स्कूली खेलों को बहुत बढ़ावा दे रहे हैं।''

खेल एवं युवा मामलों की राज्य मंत्री रक्षा खडसे और टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू उद्घाटन समारोह में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थीं। अस्मिता हमारे मजबूत खेल कार्यक्रम का एक बड़ा स्तंभ है। महिलाओं ने खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है और उनके लिए कोई सीमा नहीं है। बच्चों के इरादों को विकसित करने की जरूरत है। चानू ने कहा कि 2021 में शुरू हुई अस्मिता लीग खेलों में महिलाओं के लिए बहुत बड़ा वरदान रही है। सिर्फ महिलाओं के लिए एक योजना बहुत बड़ी बात है। पहले ऐसा नहीं था। खिलाड़ियों के लिए यह बहुत बड़ी बात है। अब हर किसी के पास यह विजन है कि इसे उच्चतम स्तर तक कैसे पहुंचाया जाए।

सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शित करने के आरोप में जमशेदपुर के तीन लोग गिरफ्तार

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के जमशेदपुर में सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शित करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बचन देव कुजूर ने बताया कि हथियारों के साथ तीनों की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के तुरंत बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के लिए एक टीम गठित की गई।

डीएसपी ने बताया कि आरोपियों को ओलिडीह इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया, ''पूछताछ के दौरान उनसे मिली जानकारी के आधार पर, फोटो में दिखाए गए दो देशी पिस्तौल बरामद कर लिये गए।'' पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान ऋतेश सिंह, अशोक गुप्ता और राज कुमार मुखिया उर्फ राज बच्चा के रूप में हुई है।

नशा विरोधी अभियान

हरिद्वार से चंडीगढ़ तक बग्घी खींचेंगे पहलवान रवींद्र तोमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। हरियाणा के जींद निवासी पहलवान रवींद्र तोमर नशे के खिलाफ अपने अभियान के तहत एक अनोखी कांवड़ पर अपने हाथों से बग्घी खींचते हुए सहारनपुर पहुंचे।

सहारनपुर में कांवड़ यात्रा मार्ग से गुजरते हुए लोगों का ध्यान जब अपने हाथों से बग्घी खींचते पहलवान रवींद्र तोमर पर पड़ा तो उनमें से कई लोग रुक कर उन्हें देखने लगे और कुछ ने आगे बढ़कर उनके साथ सेल्फी ली। तोमर नशे की लत के खिलाफ एक असरदार संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं।

तोमर 20 जून को अपने गांव सफीदो से नशे के खिलाफ जागरुकता फैलाने के संकल्प के साथ निकले थे। हरिद्वार में गंगा नदी से पवित्र जल एकत्र करने के बाद अब वह चंडीगढ़ जा रहे हैं। वहां उनकी योजना 23 जुलाई को महाशिवरात्रि के दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पवित्र जल से स्नान कराने की है। तोमर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें हरियाणा में मुख्यमंत्री के नशा विरोधी अभियान से प्रेरणा मिली। मुख्यमंत्री के प्रयासों से 700 गांव नशा मुक्त हो गए हैं।

उन्होंने कहा, ''यह मुख्यमंत्री को उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देने का मेरा तरीका है। मैं चंडीगढ़ में उनके आवास पर जाऊंगा और उनसे अनुरोध करूंगा कि वे इस अभियान के समर्थन में प्रतीकात्मक रूप से गंगा जल से स्नान करें।'' तोमर ने कहा कि उनका यह मिशन बेहद निजी है।

सिक्किम में सार्वजनिक स्थलों पर बनाए गए 'स्तनपान पॉड', महिलाओं के लिए बड़ी राहत

गंगटोक/भाषा। सिक्किम में राज्य सरकार की एक पहल से बड़ी संख्या में महिलाओं को राहत मिली हैं क्योंकि वे अब भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर एक साफ-सुथरी, सुरक्षित और निजी जगह में अपने बच्चों को स्तनपान करा पा रही हैं।

राज्य के महिला, बाल, वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग कल्याण एवं विकास विभाग ने इस हिमालयी राज्य के कुल छह जिलों में से पांच जिलों के बड़े बाजारों में छह 'स्तनपान पॉड' स्थापित किए हैं और छठे जिले में भी इसी तरह की सुविधाएं स्थापित करने की योजना है।

'स्तनपान पॉड' एक नवीनतम पहल है। ये ऐसे निजी स्थान होते हैं, जिन्हें सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थलों पर स्तनपान कराने वाली माताओं की सहायता के लिए बनाया गया है। ये सुविधाएं उन्हें एक आरामदायक और सुरक्षित वातावरण प्रदान करती हैं जहां वे अपने बच्चों को स्तनपान करा सकें या थोड़ी देर विश्राम कर सकें।

पहली बार आईपीएल खिताब जीतकर सबसे कीमती आईपीएल फ्रेंचाइजी बनी आरसीबी : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। आईपीएल खिताब के 17 साल के सूखे के अंत से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) का मूल्यांकन बढ़कर 26 करोड़ 90 लाख डॉलर हो गया जिससे यह फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पछाड़कर मूल्यांकन के मामले में शीर्ष पर पहुंच गई है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया।

एक निवेश बैंक हुलिहान लोके की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा संचालित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मूल्यांकन 13.8 प्रतिशत बढ़कर तीन अरब 90 करोड़ डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक व्यवसाय के रूप में आईपीएल का मूल्य 12.9 प्रतिशत बढ़कर 18 अरब 50 करोड़ डॉलर हो गया है। अंबानी परिवार द्वारा संचालित मुंबई इंडियन्स का मूल्यांकन 24 करोड़ 20 लाख डॉलर तक बढ़ गया है जिससे यह दूसरी सबसे कीमती फ्रेंचाइजी बन गई है। निराशाजनक सत्र के बाद इंडिया सीमेंट्स के एन श्रीनिवासन के स्वामित्व वाला सीएसके एक साल पहले के शीर्ष स्थान से 2025 में तीसरे नंबर पर खिसक गया। इस फ्रेंचाइजी का ब्रांड मूल्य 23 करोड़ 50 लाख डॉलर है। शाहरुख खान की कोलकाता नाइट राइडर्स 22 करोड़ 70 लाख डॉलर के साथ ब्रांड मूल्य के मामले में चौथे स्थान पर है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद 15 करोड़ 40 लाख डॉलर के मूल्यांकन के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

अब भी मेरा लक्ष्य 90 किग्रा वजन उठाना : मीराबाई चानू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदीनगर/भाषा। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में लगभग हर उपलब्धि हासिल की है लेकिन टोक्यो ओलंपिक की यह रजत पदक विजेता अब भी स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है।

चोटों ने उनके पिछले ओलंपिक चक्र को बाधित किया था और इस पूर्व विश्व चैंपियन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। हालांकि तकनीक में हाल ही में किए गए बदलाव ने लक्ष्य को हासिल करने के उनके भरोसे को फिर जगा दिया है। अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के इतर पीटीआई द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चानू ने कहा, ''मेरा लक्ष्य अब भी 90 किग्रा है। मैं (2026) एशियाई खेलों में पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करूंगी।'' मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 2019 से 90 किग्रा को लक्ष्य बनाया है लेकिन ट्रेनिंग के दौरान इस बाधा को पार करने के बावजूद वह प्रतियोगिता में उस सफलता को दोहराने में नाकाम रहीं हैं।

स्नैच की तकनीक में बदलाव किया

चानू ने कहा, ''2026 एशियाई खेलों से पहले मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी, जहां हम यह भी आकलन करेंगे कि 48 किग्रा वर्ग में बेहतर होने के लिए मुझे क्या करना है।'' उन्होंने कहा, ''यह सब हमें विश्व चैंपियनशिप में पता चलेगा लेकिन स्नैच में 90 किग्रा को पार करने की योजना है। यहां तक कि जूनियर भी अब 90 किग्रा को पार कर चुके हैं। हाल ही में चीन के एक जूनियर खिलाड़ी ने यह वजन उठाया।'' क्लीन एवं जर्क चानू का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्हें इसमें निराशा हाथ लगी। वह अपने पहले प्रयास में 111 किग्रा और अपने अंतिम प्रयास में 114 किग्रा उठाने में विफल रहीं जिससे वह ओलंपिक में दूसरे पदक से केवल एक किग्रा से चूक गईं।

क्लीन एवं जर्क में चानू ने 119 किग्रा उठाकर एक बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन चानू को पेरिस में अपने स्नैच प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है जहां उन्होंने 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। चानू ने कहा, ''मेरे स्नैच में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पहले मैं 88-89 किग्रा नहीं उठा पाती थी लेकिन ओलंपिक में मैंने 88 किग्रा उठाया।''

चानू भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार पर काम कर रही हैं। उनका मानना है कि यह हमेशा से उनकी कमजोरी रहा है।

सुविचार

राधा की आँखों में कृष्ण की धड़कन, हर प्रेमी के दिल में ये सजीव उपवन।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्मांतरण का मायाजाल

उत्तर प्रदेश पुलिस ने धर्म परिवर्तन गिरोह के एक मास्टरमाइंड के खिलाफ कार्रवाई कर सख्त संदेश दिया है। इससे उन लोगों में कुछ भय होगा, जो बहला-फुसलाकर, लालच देकर और डर-धमका कर धर्मांतरण कराते हैं। छांगुर बाबा नामक उक्त शख्स के निशाने पर कई लड़कियां बताई जा रही हैं। आज कई परिवारों का यह हाल है कि माता-पिता दोनों कामकाजी हैं, जिनके पास अपने बच्चों, खासकर बेटियों से बातचीत करने के लिए समय ही नहीं है। उन्हें लगता है कि अच्छे स्कूल-कॉलेज में दाखिला करवा दिया, भोजन-वस्त्र-आवास की सुविधा दे दी, अच्छा मोबाइल फोन और लैपटॉप लाकर दे दिया, तो उनका फर्ज पूरा हो गया! कई घरों में तो हफ्तों या महीनों बीत जाते हैं, लेकिन माता-पिता और बच्चे बैठकर कभी बातें नहीं करते। अगर करते हैं तो सिर्फ पढ़ाई, परीक्षा, नौकरी आदि पर! अपने धार्मिक संस्कारों का जिक्र तक नहीं होता। बहुत कम परिवार ऐसे हैं, जिनमें नियमित रूप से किसी धार्मिक विषय पर चर्चा होती है। पिछले कुछ दशकों में यह भ्रम बहुत जोर-शोर से फैलाया गया है कि जो परिवार धर्म से जितना दूर रहता है, वह उतना ही प्रगतिशील होता है। हालांकि जिन्हें अपने धर्म का कोई ज्ञान नहीं होता या नाममात्र की जानकारी होती है, धर्मांतरण कराने वाले गिरोह उन्हें आसानी से शिकार बना सकते हैं। वे चरणबद्ध ढंग से अपनी बात आगे बढ़ाते हैं। सबसे पहले बहुत आत्मीयता के साथ स्वागत करते हैं, घर-परिवार के बारे में जानकारी जुटाते हैं। अगर कोई व्यक्ति किसी वजह से परेशान है तो उससे हमदर्दी जताते हैं, कुछ मदद भी कर देते हैं। उसके बाद मन में संदेह पैदा करने के लिए कुछ सवाल खड़े करते हैं और अपने नजरिए को सही साबित करने के लिए दलीलें देते हैं। उसे उज्ज्वल भविष्य और परलोक सुधरने का ख्वाब दिखाते हैं। धीरे-धीरे उसे अपने रंग में रंग लेते हैं। वह व्यक्ति अपने परिवार और पूर्वजों के धर्म से विद्रोह करने को आमादा हो जाता है।

आज सोशल मीडिया पर कई अभिभावक इस बात को लेकर दुःख जताते हैं कि उन्होंने समय रहते बच्चों की ओर ध्यान नहीं दिया। एक परिवार, जिसके मुखिया का अच्छा कारोबार था, के लड़के ने दीपावली की रात लक्ष्मी पूजन में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। पूछताछ में पता चला कि वह कई महीनों से किसी गिरोह के प्रभाव में था। वह आए दिन छोटी-छोटी बातों को लेकर लड़ाई-झगड़े करने लगा था। उसका दावा था कि वह सही है और पूरा परिवार गलत मान्यताओं का पालन करता है। इसी तरह, एक और परिवार की बेटी, जो बहुत प्रतिभाशाली थी और चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई कर रही थी, के इस फैसले से घर में हर कोई हैरान रह गया कि उसने धर्मांतरण कर लिया है और अब अपने पुरुष मित्र से शादी करेगी, जिसके पास उसके हर सवाल का जवाब है। उसने ऐसा किया भी; बाद में वह यूट्यूब चैनल बनाकर उस पर अपनी कहानियां सुनाने लगी। हालांकि इस दौरान उसे महसूस हुआ कि उसने जल्दबाजी में फैसला ले लिया और ऐसी कई बातें थीं, जिनके बारे में उसे कोई जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद वह अपने चैनल पर होने वाली बहसों में उन बातों का पक्ष लेती थी, क्योंकि अब उसके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। उक्त गिरोहों के पक्ष में यह दलील खूब दी जाती है कि कई उच्च शिक्षित और मशहूर लोगों ने भी धर्मांतरण किया है, क्या उन्हें हकीकत मालूम नहीं थी? दरअसल, उच्च शिक्षित होना और मशहूर होना इस बात की गारंटी नहीं है कि वह व्यक्ति किसी के बहकावे में नहीं आ सकता या उससे कोई गलत फैसला नहीं हो सकता। हाल में कई उच्च शिक्षित लोग, जिनमें नेता, अभिनेता, वकील, जज, डॉक्टर, बैंक मैनेजर, शिक्षक, पत्रकार आदि हैं, के साथ साइबर ठगी की घटनाएं हो चुकी हैं। ठगों ने उन्हें अपनी बातों में इस कदर उलझाया था कि वे शिकार हो गए। जिन गिरोहों ने धर्मांतरण को धंधा बना लिया है, वे उच्च शिक्षित लोगों को भी शिकार बना सकते हैं। ऐसे कृत्य करने वालों को कानून की ओर से कठोर दंड मिलना चाहिए। साथ ही, परिवारों में ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि बच्चे इनसे सावधान रहें।

ट्वीटर टॉक

चूरू जिले की ग्राम पंचायत जोड़ी में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा' अभियान के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प के अनुरूप संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

-भजनलाल शर्मा

लोकतंत्र में काले झंडे दिखाना विरोध करने का एक सामान्य तरीका है परन्तु जिस प्रकार भाजपा सरकार पुलिस के माध्यम से बार-बार लोकतांत्रिक विरोध करने पर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर रही है, वह बेहद निंदनीय है।

-अशोक गहलोत

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के पूज्य पिताजी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

समय का सदुपयोग

सर्वोदयी नेता विनोबा जी के असली दांत टूट चुके थे, और वे नकली दांतों का इस्तेमाल करते थे। वे रोज़ अपने हाथ से दांत धोते थे, जिसमें लगभग पंद्रह मिनट का समय लग जाता था। एक दिन, जानकी देवी ने विनोबा जी से कहा, 'आपके पंद्रह मूल्यवान मिनट दांत धोने में लगते हैं, यह ठीक नहीं है। क्या किसी और को यह काम नहीं सौंप सकते? ऐसा समय का दुरुपयोग होता है।' विनोबा जी मुस्कराते हुए बोले, 'हाथ-पैर से जो काम करते हैं, उसमें समय का दुरुपयोग नहीं होता। असल में समय का दुरुपयोग तब होता है जब हमारे मन में कोई काम, क्रोध, लोभ या अन्य विकार उत्पन्न होते हैं।

जब हमारा मन अशांत होता है, तब समझो कि वही समय व्यर्थ गया। अगर हम शुद्ध मन से कोई भी काम करते हैं, तो वह समय कभी व्यर्थ नहीं जाता।' यह बात हमें यह सिखाती है कि किसी भी काम को जब हम पूरी आत्मिक शांति और संतुलन के साथ करते हैं, तो वह समय का सही उपयोग होता है, चाहे वह कितना भी साधारण क्यों न हो।

सामयिक

फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम

डॉ. आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 94-5100-5200

चुनाव आयोग द्वारा बीती 25 जून से बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इस प्रक्रिया का विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' यानी इंडी गठबंधन विरोध कर रहा है। विपक्ष इस मसले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है, जिस पर सर्वोच्च अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने नौ जुलाई बिहार में चक्का जाम करने का निर्णय किया है। विपक्ष की राजनीति और बॉडी लैंग्वेज से ऐसा आभास हो रहा है मानो मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण से उसका बना बनाया खेल बिगड़ गया है। फिलवक्त बिहार में विपक्ष की राजनीति का चक्का जाम दिखाई दे रहा है।

निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि पांच राज्यों- असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा।

वहीं ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने भी विपक्ष के सामने संकट पैदा कर दिया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर उल ईमान ने लालू प्रसाद को चिट्ठी लिख कर कहा कि एमआईएम को महागठबंधन में शामिल किया जाए। राजद की ओर से पहली प्रतिक्रिया में पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इसके लिए मना कर दिया है। असल में एआईएमआईएम ने राजद और कांग्रेस दोनों को उलझा दिया है। ये दोनों पार्टियां कहती रही हैं कि ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम है और हर बार राजद, कांग्रेस को हराने के लिए चुनाव लड़ती है। लेकिन इस बार उन्होंने अपनी ओर से तालमेल की पहल की है। अगर राजद, कांग्रेस तालमेल के लिए तैयार नहीं होते हैं तो फिर कैसे एमआईएम पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाएंगे! राजद और कांग्रेस की स्थिति सांप छछूंदर वाली हो गई है। इंडी गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए को टक्कर देने के लिए दो तरफा योजना बना रहा है।

इसके तहत वह कल्याणकारी योजनाओं के वादों के साथ-साथ सामाजिक न्याय का एक बड़ा मुद्दा भी पेश करेगा। विपक्ष रोजगार की तलाश में गरीब बिहारियों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के उपाय के रूप में विशेष रोजगार सृजन योजनाओं की पेशकश करने के लिए भी काम कर रहा है। विपक्षी गठबंधन को उम्मीद है कि वह स्थानीय भावनाओं को भी प्रभावित करने के लिए एक अभियान चलाकर यह दावा कर सकेगा कि बिहार में कुछ नौकरशाहों के माध्यम से एक दिल्ली गिरोह छद्म सरकार चला रहा है, वह भी ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शारीरिक फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं।

लेकिन विपक्ष के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिहार चुनाव में उसका चेहरा कौन होगा? विपक्ष अभी अपना चेहरा तय नहीं कर पाया है। राजद तेजस्वी को भावी मुख्यमंत्री और विपक्ष के चेहरे के तौर पर पेश कर रहा लेकिन गठबंधन में इस पर कोई सहमति नहीं है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे पर सहमति बनना मुश्किल है। गठबंधन का कोई भी दल अपनी दावेदारी कम नहीं करना चाहता। ऐसे में विपक्ष भले ही ऊपरी तौर पर ताकतवर दिखने के लिए एकजुटता दिखा रहा है, लेकिन अंदरखाने विपक्ष के चेहरे यानी सीएम प्रत्याशी के नाम को लेकर भारी उथल पुथल मची है। सत्तारूढ पक्ष की ओर से साफ किया जा चुका है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरेग। और चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार बैठेंगे। बिना चेहरे के चुनाव मैदान मे उतरने से विपक्ष का पलड़ा कमजोर होना तय है, क्योंकि इस से यह मैसेज जायेगा कि विपक्ष एकजुट नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष खासकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और जन सुराज के संयोजक जिन मुद्दों को आधार बनाकर बिहार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके हर मुद्दे की लगातार हवा निकाल रहे हैं। चाहे बिहार की सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की बात हो या सामाजिक पेंशन की राशि में बढ़ोत्तरी का मुद्दा। यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष से दो कदम आगे चल रहे हैं।

चुनाव में अभी लगभग तीन महीने का वक़्त है, तब तक राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा ये अभी कह पाना मुश्किल है। फिलवक्त बिहार मे विपक्ष की राजनीति उलझी और फंसी हुई दिख रही है। चुनाव आयोग की कार्रवाई से विपक्ष की हताशा भी सामने आ चुकी है। ऐसा लग रहा है मानो विपक्ष की सारी उम्मीदें मतदाता सूची पर ही टिकी हुई थी। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में पुनरीक्षण शुरू करके उसका बना बनाया काम बिगाड़ दिया हो। कानून और नियमों के तहत चुनाव आयोग साफ सुथरी मतदाता सूची बनाना चाह रहा है। इससे भला किसी को क्या परेशानी हो सकती है। लेकिन विपक्ष ने इस प्रक्रिया का विरोध कर अपनी मंशा साफ कर दी है। आशंका इस बात की भी है कि कहीं विपक्ष अपनी संभावित हार को देखते हुए चुनाव आयोग और सरकार पर आरोप मढ़ने की नीयत से पेशबंदी तो नहीं कर रहा। हालांकि इन सबके बीच एक बात तो तय है कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष उन तमाम मुद्दों को जरूर टेस्ट करना चाहेगा जो आने वाले समय में देश और खासकर विपक्ष की राजनीति पर असर डाल सकते हैं।

नजरिया

गुरु जीवनरूपी अंधेरों को मिटाकर उजाला करते हैं

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

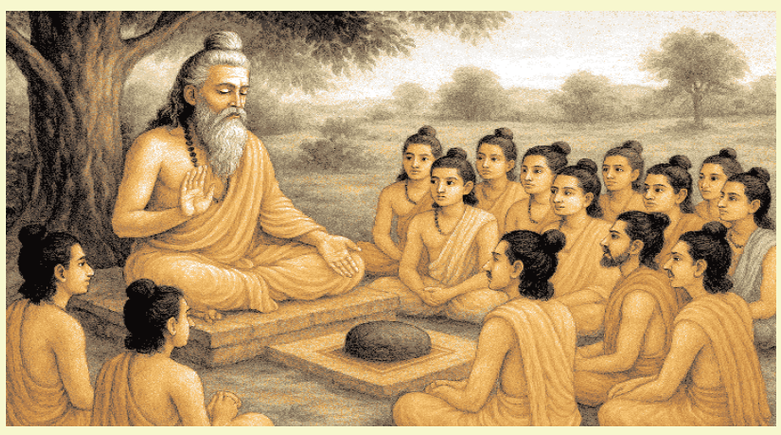

गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है-ईश्वर से भी ऊंचा। गुरु न केवल ज्ञानदाता हैं, वे जीवन के वास्तुकार, जीवन-निर्माता एवं संस्कारदाता हैं। वे शिष्य को केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि आत्मा के स्वरूप से उसका परिचय कराते हुए उसका जीवन-निर्माण करते हैं। वे न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, बल्कि जीवन की दुविधाओं, असमंजसों और भ्रमों को दूर कर उसे सार्थक दिशा देते हैं। ऐसे ही गुरु-तत्व के पूजन का पर्व है-गुरु पूर्णिमा, जो हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को श्रद्धा और समर्पण से मनाया जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। वेदव्यास ने चारों वेदों का संकलन किया, पुराणों की रचना की और महाभारत जैसा अद्वितीय महाकाव्य रचा। वे न केवल ज्ञान के स्रोत थे, बल्कि आत्मबोध के महामार्गदर्शक भी थे। गुरु पूर्णिमा सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पव हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है।

गुरु एक नाम नहीं, एक स्थिति है। वे केवल शरीरधारी व्यक्ति नहीं, एक दिव्य ऊर्जा हैं, जो हमारे भीतर शक्ति, ज्ञान एवं संस्कार को जागृत करती है। कबीरदास ने कहा-गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय? यह केवल काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना की वह आधारशिला है, जिस पर जीवन की संपूर्ण संरचना टिकी है। गुरु वही है जो मैं' को गलाकर तू' में मिला दे, जो अहंकार को मिटाकर आत्मा को उभार दे। यह केवल पूजा का दिन नहीं, आत्म-प्रेरणा का दिवस है; गुरु के प्रति कृतज्ञता, मार्गदर्शन और जीवन को नया मोड़ देने वाले उस आधारस्तंभ को नमन करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से सनातन धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में अत्यंत पूज्यनीय है। भारत की मनीषा में गुरु केवल धार्मिक या शैक्षणिक संस्था के सदस्य नहीं हैं, बल्कि वे एक आध्यात्मिक बीज हैं, जो शिष्य के अंतर्मन में चेतना का वृक्ष बनकर प्रस्फुटित होते हैं।

गुरु-शिष्य का संबंध केवल औपचारिक नहीं, आत्मिक होता है। शिष्य का अर्थ ही है-जो शीघ्र ग्रहण करे, जो समर्पित हो।' और गुरु का अर्थ है-गु' यानी अंधकार और रु' यानी प्रकाश-जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। प्राचीन गुरुकुल परंपरा में यह संबंध अत्यंत पवित्र और जीवनपर्यंत टिकने वाला होता था। शिष्य केवल विद्या ही नहीं, गुरु के जीवन से भी सीखता था। चरित्र, संयम, श्रद्धा, विनम्रता और सेवा जैसे गुण गुरु के व्यक्तित्व से शिष्य के भीतर स्वतः उतरते थे। महावीर ने गौतम गणधर को, बुद्ध ने आनंद को, नानक ने अंगद को, श्रीकृष्ण ने संदीपनि को और फिर स्वयं अर्जुन को शिष्यत्व प्रदान किया। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र से जीवन की मर्यादा सीखी, वहीं श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्धभूमि में कर्मयोग का उपदेश देकर जगतगुरु का दर्जा पाया। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता-वह जीवन का दृष्टिकोण बदल देता है।

आज भौतिकतावादी युग में गुरु के प्रति आस्था में गिरावट आई है। शिक्षा संस्थान सूचना का प्रसार कर रहे हैं, लेकिन जीवन मूल्यों का संचार नहीं कर पा रहे। विद्यार्थियों को डिग्रियां तो मिल रही हैं, पर दिशा नहीं। ज्ञान है, पर विवेक नहीं; विज्ञान है, पर आत्मा नहीं; बुद्धि है, पर करुणा नहीं। इसका मूल कारण है-जीवन में सच्चे गुरु का अभाव। आज ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफेसर हैं-पर गुरु नदारद हैं। ऐसे में गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि केवल पढ़ना-पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, जीवन जीने की कला सिखाने वाला गुरु चाहिए। गुरु जीवन की धार को नया मोड़ देते हैं। जैसे नदी जब किसी घाट से गुजरती है, तो उसका स्वरूप बदलता है, वैसे ही गुरु का सान्निध्य शिष्य के भीतर नई चेतना, नई दृष्टि और नया जीवन का संचार करता है। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके।

गुरु केवल उपदेश नहीं देता, वह जीता है। उसकी हर बात, हर चुप्पी, हर दृष्टि, हर मौन एक शिक्षा होती है। उसका जीवन एक ग्रंथ होता है, जिसकी हर बात शिष्य के जीवन में अमिट छाप छोड़ती है। शास्त्रों में कहा गया है-गुरु बिना गति नहीं, गुरु बिना ज्ञान नहीं, गुरु बिना मोक्ष नहीं। गुरु ही शिष्य के अंतर्मन में आत्मा की चिंगारी प्रज्वलित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती है-सच्चे गुरु की पहचान। आज ऐसे कई कथित गुरु हैं जो अपने अनुयायियों की संख्या, चमत्कारों और धन-संपत्ति के आधार पर महान कहलाते हैं। वे गुरु नहीं, व्यापारी हैं-जो मोक्ष, आत्मज्ञान, कुण्डलिनी जागरण, रोग निवारण और चमत्कारों के नाम पर लोगों की भावनाओं का दोहन कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे अज्ञानी, धन-लोलुप और पाखंडी लोगों ने गुरु परंपरा की छवि को धूमिल किया है। सही कहा गया है-पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।

सच्चा गुरु न विज्ञापन करता है, न दिखावा। वह न चमत्कार दिखाता है, न भीड़ जुटाता है। वह मौन से शिक्षा देता है, दृष्टि से दिशा देता है और आशीर्वाद से शांति देता है। उसका सान्निध्य ही साधना है, उसकी चरण-वंदना ही ऊर्जा है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि चातुर्मास काल में जब ईश्वर निद्रा में होते हैं तब गुरु ही हमें मार्ग दिखाते हैं। वे हमारे दुःखों का हरण करते हैं, मोह का निवारण करते हैं और जीवन को नई दृष्टि देते हैं। गुरु का सच्चा सम्मान केवल उनकी मूर्ति पर फूल चढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना है। उनके उपदेशों को आत्मसात करना, अपने जीवन में विनम्रता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुणों को विकसित करना ही सच्ची गुरु-पूजा है। तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में लिखा है-जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाईं। जिनके पास कोई गुरु न हो, वे हनुमानजी को गुरु बना सकते हैं-क्योंकि गुरुत्व एक चेतना है, एक भावना है, एक समर्पण है। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा?

गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है। अंततः, गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, आत्म-बोध और समर्पण का पर्व है। यही इसकी सार्थकता है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, अपने भीतर जगाएं। जब तक जीवन में सच्चा गुरु नहीं आता, तब तक आत्मा मौन रहती है। जैसे ही गुरु आता है, आत्मा गूंज उठती है। गुरु जीवन को नया घाट देते हैं, नयी झंकार देते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कक्षा छह में केवल 53 फीसदी विद्यार्थी 10 तक का पहाड़ा जानते हैं : शिक्षा मंत्रालय का सर्वेक्षण

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण से पता चला है कि कक्षा तीन के केवल 55 प्रतिशत छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि कक्षा छह के केवल 53 प्रतिशत छात्र 10 तक का पहाड़ा जानते हैं। समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण, जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के रूप में जाना जाता था, पिछले साल चार दिसंबर को आयोजित किया गया था। इस सर्वेक्षण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 781 जिलों के 74,229 स्कूलों में कक्षा तीन, छह और नौ के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया था।

सर्वेक्षण में कहा गया कि तीनों कक्षाओं के 1,15,022 बच्चों का मूल्यांकन किया गया और 2,70,424 शिक्षकों और स्कूल का नेतृत्व करने वालों ने प्रश्नावली के माध्यम से जवाब दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा तीन के केवल 55 प्रतिशत विद्यार्थी ही 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि 58 प्रतिशत विद्यार्थी दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकते हैं।

कक्षा छह में केवल 53 प्रतिशत छात्र अंकगणितीय संक्रियाओं और उनके बीच संबंधों को समझ और देख सकते हैं, कम से कम 10 तक जोड़ और गुणन की सारणी जानते हैं और दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए पूर्ण संख्याओं पर चार बुनियादी संक्रियाएं लागू करते हैं।

कक्षा छह में भाषा और गणित के साथ-साथ एक अतिरिक्त विषय 'हमारे आस-पास की दुनिया' शुरू किया गया था, जिसमें पर्यावरण और समाज शामिल है।

छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित में सबसे कम अंक (46 प्रतिशत) प्राप्त किए, जबकि भाषा में औसतन 57 प्रतिशत और हमारे आस-पास की दुनिया में 49 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, ऐसे उदाहरण जहां 50 प्रतिशत से कम छात्र सही उत्तर देने में सक्षम थे, सीखने की प्रक्रिया में बाधा को दर्शाते हैं।

कक्षा नौ में केंद्र सरकार के स्कूलों के छात्रों ने सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, भाषा में स्पष्ट बढ़त हासिल की। निजी स्कूलों ने विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन गणित में कम अंक प्राप्त किए। राज्य सरकार और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूलों में भी इसी तरह के परिणाम दर्ज किये गए।

ग्रामीण-शहरी विभाजन भी काफी हद तक देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में कक्षा तीन के छात्रों ने गणित और भाषा दोनों में बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि शहरी क्षेत्रों में कक्षा छह और नौ के बच्चों ने सभी विषयों में अपने ग्रामीण समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन किया।

स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने रिपोर्ट में कहा, ''मूल्यांकन से आगे बढ़कर, इस पहल का अगला चरण व्यवस्थित कार्रवाई को सक्षम करने पर केंद्रित है।

रैली

तेलंगाना महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुनीता राव ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मंगलवार, को हैदराबाद में गांधी भवन से बोनालू रैली निकाली।

थाईलैंड के मंत्रिमंडल ने कैसीनो को वैध बनाने संबंधी विवादास्पद विधेयक वापस लिया

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड के मंत्रिमंडल ने मंगलवार को उस विवादास्पद विधेयक को वापस ले लिया, जिसका उद्देश्य कैसीनो को वैध बनाना था। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री को नैतिकता जांच के कारण निलंबित कर दिया गया था।

उप वित्त मंत्री जुलापुन अमोरनविवत ने कहा कि सरकार केवल विधेयक को स्थगित करना चाहती है और उचित समय पर इसे फिर से पेश करेगी। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक स्थिति और कैबिनेट फेरबदल को इस निर्णय का कारण बताया। इस विधेयक को, जिसे मनोरंजन परिसर विधेयक के रूप में भी जाना जाता है, पहली बार जनवरी में मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था और सांसदों द्वारा समीक्षा का इंतजार किया जा रहा था। यदि यह पारित हो जाता है, तो यह कैसीनो को उन परिसरों में संचालित करने की अनुमति देगा, जहां होटल, कन्वेंशन हॉल, मॉल या थीम पार्क जैसे अन्य व्यवसाय भी स्थित हैं।

विधेयक को वापस लेने से पहले पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा को संवैधानिक न्यायालय द्वारा निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि उनके और एक वरिष्ठ कम्बोडियाई नेता के बीच हुई फोन कॉल लीक हो गई थी, जिससे ताजा राजनीतिक उथल-पुथल मच गई थी।

पैतोंगटार्न पर यह आरोप लगाते हुए नैतिक जांच चल रही है कि उन्होंने कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के समक्ष ऐसी टिप्पणियां कीं, जिससे थाईलैंड के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा। दोनों के बीच पिछले महीने सीमा विवाद पर चर्चा हुई थी। सत्तारूढ़ फ्यू थाई पार्टी ने कहा है कि यह विधेयक अधिक निवेश आकर्षित करने, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा अवैध जुए के मुद्दे को सुलझाने में मदद करेगा।

संगीता बिजलानी की उथल-पुथल भरी रही जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की चमक-दमक और मॉडलिंग की दुनिया में 'बिजली' के नाम से मशहूर संगीता बिजलानी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं। 9 जुलाई को एक्ट्रेस का जन्मदिन है। पूर्व मिस इंडिया न सिर्फ अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के लिए तो जानी जाती हैं ही उनकी निजी जिंदगी की उथल-पुथल भी सुर्खियां में रही। प्यार, शादी और तलाक की कहानियों से भरी उनकी जिंदगी एक ऐसी किताब है, जिसमें ग्लैमर के साथ-साथ दिल टूटने का दर्द भी दर्ज है। 9 जुलाई 1960 को मुंबई के सिंधी परिवार में जन्मीं संगीता ने महज 16 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। बला की खूबसूरती और आत्मविश्वास ने उन्हें जल्द ही मॉडलिंग की दुनिया का चमकता सितारा बना दिया। साल 1980 में मिस इंडिया का ताज जीतने के बाद संगीता ने बॉलीवुड की राह पकड़ी। उनकी पहली फिल्म 'कातिल' साल 1988 में आई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। असल पहचान 1989 में आई फिल्म 'त्रिदेव' से मिली। इसके बाद 'जुर्म' और 'युगांधर' जैसी एक्शन पैक्ड फिल्मों का हिस्सा बनीं।

बिजलानी छोटे पर्दे पर भी दिखीं। उन्होंने साल 1996 में आए टीवी शो 'चांदनी' में काम किया। इस शो में उनके साथ एक्टर शाहबाज खान थे। उनका फिल्मी करियर भले ही ज्यादा लंबा नहीं

चल सका, लेकिन उनकी स्टाइल और ग्लैमर ने उन्हें हमेशा चर्चा में रखा। अब बात करते हैं संगीता की निजी जिंदगी के बारे में, जो हमेशा सुर्खियों में रही, खासकर सलमान खान के साथ उनका रिश्ता। फिल्मी गलियारों में ये बात आम थी कि एक फिल्म के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई और जल्द ही दोनों बॉलीवुड के 'फेवरेट कपल्स' में से एक बन गए। आठ साल से ज्यादा चला रिश्ता शादी में तब्दील होने वाला था। शादी के कार्ड तक छप गए थे, लेकिन ऐन वक्त पर यह शादी टूट गई। इस बात की पुष्टि खुद एक्ट्रेस ने की थी। 'इंडियन आइडल' के 15वें सीजन में पहुंचीं संगीता ने इस बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने एक कंटेस्टेंट के सलमान खान संग जुड़े शादी के सवालों पर जवाब देते हुए बताया कि 'ये सच था, शादी होने वाली थी, मगर ऐन वक्त पर उन्हें धोखा मिला।'

इसके अलावा, उन्होंने मजाकिया अंदाज में सलमान का नाम लिए बगैर बताया कि उनके 'एक्स' उन्हें छोटे कपड़े पहनने से रोकते थे, जिससे वह अपने शुरुआती करियर में 'दबाव' महसूस करती थीं। हालांकि, ब्रेकअप के बाद भी दोनों ने दोस्ती का रिश्ता बरकरार रखा, जो आज भी कायम है। दोनों हाल ही में आयोजित एक इवेंट में साथ में नजर आए थे। संगीता के अलावा, सलमान खान ने भी करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में कबूला था कि शादी के कार्ड्स छप गए थे लेकिन शादी न हो सकी। प्यार में धोखे के बाद संगीता खुद को संभाल रही थीं। तभी उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन से हुई। उन्होंने साल 1996 में शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी।

'लकड़बग्घा 2' में शामिल हुईं जेन डियास

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म 'लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस' की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता और फिल्म निर्माता अंशुमन झा ने दी है। फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे 'लकड़बग्घा 1' बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो। उन्होंने कहा कि 'लकड़बग्घा 2' आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है। सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है। अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से 'लकड़बग्घा' की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं। उन्होंने कहा, सारा की ताकत, सादगी और गहराई उन्हें 'लकड़बग्घा' की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है। रिद्धि के बाद अब सारा के आने से हमारी कहानी में भावनाएं भी बढ़ी हैं और इसकी पहुंच भी। 'लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस' की शूटिंग जारी है। इसे इसी साल सर्दियों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के पहले पार्ट में रिद्धि डोगरा और अंशुमन झा नजर आए थे। दोनों एक बार फिर इसके दूसरे पार्ट में दिखाई देंगे। इसके साथ ही फिल्म में सनी पांग भी अहम किरदार में हैं। 'लकड़बग्घा' 13 जनवरी 2023 को रिलीज हुई थी और जुलाई 2023 में इसका प्रीमियर जर्मनी के स्टटगार्ट में हुए 20वें इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।

'आपकी कहानी हमें आज भी प्रेरणा देती है', कैप्टन विक्रम बत्रा को याद कर भावुक हुए सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा को उनकी शहादत के दिन याद किया। कैप्टन विक्रम बत्रा ने 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। वह 'ये दिल मांगे मोर!' जैसे जोश से भर देने वाले नारे के लिए भी जाने जाते हैं। सोमवार को अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में कैप्टन विक्रम बत्रा पहाड़ियों पर खड़े होकर कैमरे के लिए पोज दे रहे हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कैप्टन विक्रम बत्रा, आपकी कहानी हमें आज भी प्रेरणा देती है। आपने हमें सच्ची ताकत का मतलब समझाया। आज मैं आपके उस दिन को याद कर रहा हूं, जब आपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। आपके बलिदान को कभी नहीं भूला जा सकता। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 2021 में बनी फिल्म 'शेरशाह' में कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था। यह फिल्म कैप्टन के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन विष्णुवर्धन ने किया था और कहानी संदीप श्रीवास्तव ने लिखी थी। फिल्म में सिद्धार्थ की

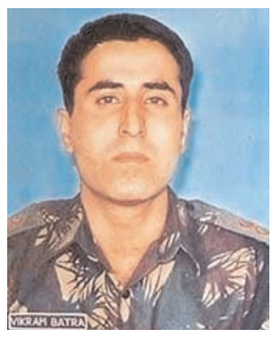

पत्नी कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका में थीं। कैप्टन विक्रम बत्रा ने जून 1996 में देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) में दाखिला लिया था। वह वहां मानेकशॉ बटालियन में शामिल हुए, जो भारत के युद्ध नायक सैम मानेकशॉ के नाम पर है। उन्होंने यहां करीब 19 महीने की ट्रेनिंग पूरी की, और फिर 6 दिसंबर 1997 को आईएमए से ग्रेजुएट हुए। उसके बाद उन्हें इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट की रैंक मिली। कारगिल युद्ध के दौरान 7 जुलाई 1999 को कैप्टन विक्रम बत्रा वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी बहादुरी के लिए उन्हें मरणोपरांत 'परम वीर चक्र' से सम्मानित किया गया। वह जम्मू-कश्मीर के कारगिल के एरिया लेज, पॉइंट 4875 के पास पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हो गए थे।

फिल्मों में महिला कलाकारों की भूमिका सीमित, ओटीटी पर असली मौका : वाणी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर ने सिनेमा में महिलाओं की बदलती स्थिति पर बात की। उन्होंने कहा कि अब एक नई पीढ़ी की एक्ट्रेस सामने आ रही हैं, जो सिर्फ रोमांटिक या पारंपरिक किरदार ही नहीं निभा रही हैं, बल्कि एक्शन से भरे, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल भी कर रही हैं। उन्होंने ओटीटी पर भी बेबाक राय रखते हुए कहा कि फिल्मों के मुकाबले ओटीटी पर एक्ट्रेस को टैलेंट दिखाने का सही मौका मिलता है। वाणी का मानना है कि यह एक अच्छा बदलाव है, जो दिखाता है कि महिलाएं अब हर तरह की भूमिका में आगे आ रही हैं और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, आजकल की नई एक्ट्रेस पुरानी सीमाएं तोड़ रही हैं। वह अब ऐसे किरदार कर रही हैं, जो एक्शन, तेज रफ्तार और उत्साह से भरपूर होते हैं। ये किरदार दिखाते हैं कि ताकत और गहराई से भरे भाव, दोनों एक साथ स्क्रीन पर दिख सकते हैं। अब भारतीय एक्ट्रेस बिना

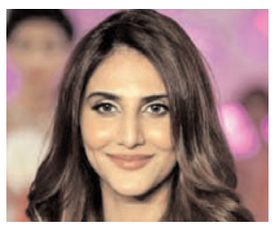

किसी डर के एक्शन फिल्मों में लीड रोल निभा रही हैं, जो पहले नहीं होता था। अब इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है और ये बदलाव जरूरी भी है।

वाणी कपूर जल्द ही नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस को अब पहले से बेहतर और दमदार कहानियों वाले रोल मिल रहे हैं। यहां कलाकारों को आजादी दी गई है, जिसके चलते वे ऐसे किरदार निभा सकते हैं, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करने वाले होते हैं। ओटीटी डेब्यू को लेकर वाणी कपूर ने कहा, मैं नेटफ्लिक्स पर अपनी पहली सीरीज के लिए कुछ खास और चुनौतीपूर्ण ढूंढ रही थी, और 'मंडला मर्डर्स' में मुझे वो मौका मिला। इसमें मैं एक ऐसे रोल में हूं, जो पहले से ज्यादा बोल्ड है। यह रोल मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर चुनौती देता है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे ओटीटी बहुत पसंद हैं। यहां एक्ट्रेस को ज्यादा बेहतर और दमदार रोल मिलते हैं, जिनमें हम अपनी अभिनय की असली कला दिखा सकते हैं।

फिल्मों में अक्सर कहानी पुरुष एक्टर के इर्द-गिर्द ही घूमती है, जिससे एक्ट्रेस के रोल छोटे या सीमित रह जाते हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर हमें ज्यादा मौके और खुलापन मिलता है, जिससे हम अपने टैलेंट को सही तरीके से दिखा सकते हैं। 'मंडला मर्डर्स' सीरीज का निर्देशन गोपी पुथरन ने किया है। इसे वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। इस शो में वाणी कपूर के साथ-साथ वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह वेब सीरीज 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

'साइको सइयां' का मेरे करियर में बड़ा योगदान : ध्वनि भानुशाली

मुंबई/एजेन्सी

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। ध्वनि ने 'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करियर में खास महत्व रखता है। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आईं। यह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था। ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गाना रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है। उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया।

इस गाने के लिए ध्वनि ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात प्रभास और श्रद्धा कपूर से हुई। ध्वनि ने बताया, कई लोगों ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज श्रद्धा के लिए एकदम सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। ध्वनि ने इस गाने को करियर का पहला बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब लाया। उन्होंने गायक सचेत टंडन के साथ मिलकर बनाए इस गाने को प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, जब मैं अपने शोज में या सोशल मीडिया पर फैंस को इस गाने पर गाते-नाचते देखती हूं, तो मुझे संगीत की ताकत का एहसास होता है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने भारतीय टीवी को फिर से परिभाषित किया: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली/भाषा। नेता एवं अभिनेत्री स्मृति ईरानी क्योंकि सास भी कभी बहू थी में तुलसी विरानी की भूमिका के साथ अभिनय में वापसी कर रही हैं।

ईरानी ने सोमवार को कहा कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में आदर्श बहू तुलसी विरानी की भूमिका निभाना महज एक भूमिका में वापस आना नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी की ओर लौटना है, जिसने भारतीय टेलीविजन को फिर से परिभाषित किया और उनके जीवन को आकार दिया।

स्टार प्लस पर 2000 से 2008 तक प्रसारित होने वाला और एक व्यवसायी परिवार में होने वाली गतिविधियों को दर्शाने वाला हिट शो, मंच पर एक नए अवतार में लौट रहा है। सोमवार को चर्चा और तेज हो गई जब ईरानी की मैरून साड़ी पहने एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। कई लोगों ने इसे शो से उनका पहला लुक बताया।

ईरानी ने कुछ यात्राएं पूर्ण चक्र में होती हैं-पुरानी यादों के लिए नहीं, बल्कि उद्देश्य के लिए शीर्षक से एक बयान में कहा, इस अगले अध्याय में योगदान देकर, मैं 'क्योंकि...' की विरासत का सम्मान करने की आशा करती हूं - और एक ऐसे भविष्य को आकार देने में मदद करूंगी, जहां भारत के रचनात्मक उद्योगों का न केवल सम्मान किया जाएगा, बल्कि उन्हें

वास्तव में सशक्त बनाया जाएगा।

ईरानी ने कहा, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में वापसी करना केवल एक भूमिका में वापस आना नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी में वापसी है, जिसने भारतीय टेलीविजन को फिर से परिभाषित किया और मेरे अपने जीवन को नया आकार दिया। इसने मुझे व्यावसायिक सफलता से कहीं अधिक दिया- इसने मुझे लाखों घरों से जुड़ने का मौका दिया, एक पीढ़ी के भावनात्मक ताने-बाने में जगह दी।

भाजपा नेता ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में उन्होंने दो शक्तिशाली मंचों - मीडिया और सार्वजनिक नीति पर काम किया है और दोनों का अपना प्रभाव है प्रत्येक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग करता है।'' उन्होंने कहा, आज, मैं एक ऐसे चौराहे पर खड़ी हूं, जहां अनुभव भावना से मिलता है, और रचनात्मकता दृढ़ विश्वास से मिलती है। मैं न केवल एक अभिनेत्री के रूप में वापस आयी हूं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो परिवर्तन लाने, संस्कृति को संरक्षित करने और सहानुभूति का निर्माण करने के लिए कहानी कहने की शक्ति में विश्वास करती है। इस शो को लाखों लोगों ने टेलीविजन पर देखा।

इसमें अमर उपाध्याय, अपरा मेहता और हितेन तेजवानी भी थे। इसे एकता कपूर ने बनाया था। 1,800 से अधिक कड़ी वाले इस शो ने तीन जून को 25 साल पूरे कर लिए। ईरानी ने इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक एक पोस्ट भी साझा की थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 09-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भारत शांति प्रिय राष्ट्र है। भारत की संस्कृति में अहिंसा को महत्व दिया है। भारतीय संस्कृति में आज भी इंसानियत बसती है। ऋषि मुनियों का देश होने से जन्म से ही प्रेम सादगी इंसानियत नैतिकता सदभावना की शिक्षा प्राप्त होती है। विश्व यदि भारतीय संस्कृति को अपना ले तो विश्व शांति का सपना साकार हो सकता है।

आचार्य भिक्षु की त्रिशताब्दी वर्ष का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मंगलवार को तेरापंथ भवन साहुकारपेट में आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री उदितयशाजी के पावन सान्निध्य में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष शुभारंभ समारोह का आयोजन प्रथम दिवस आचार्य भिक्षु जन्मोत्सव के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्रीजी के महामंत्रोच्चार के पश्चात भिक्षु जप हुआ। साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि जैन साहित्य में धातु, भाव और दिव्य, तीन प्रकार के पुरुषों का उल्लेख मिलता है। धातु निर्मित शारीरिक सौष्ठव व भावों की उच्चता से दिव्य पुरुष का निर्माण होता है।

आचार्य भिक्षु इसी कोटि के महापुरुष थे,जिनके प्रबल पुरुषार्थ व साहस की अनगिनत घटनाओं का समृद्ध इतिहास है।

साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने समारोह का काव्यात्मक संचालन करते हुए आचार्य भिक्षु के जीवन के अनेक पहलुओं का स्पर्श करते हुए कहा कि भिक्षु का जन्म तेरापंथ की स्थापना के लिए नहीं वरन आगमिक सत्य वीतराग धर्म के उद्घाटन हेतु हुआ लगता है। साध्वीश्री भव्ययशाजी व साध्वीश्री शिक्षाप्रभाजी ने आचार्य भिक्षु के जीवन दर्शन पर अपनी श्रद्धाभिव्यक्ति व विनयांजलि समर्पित की। सभाध्यक्ष अशोक खतंग व महिला मंडल की अध्यक्ष लता पारख ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर अनेक सभा संस्थाओं के गणमान्य उपस्थित थे।

श्रावक-श्राविकाओं ने तप, जप, त्याग आदि के संकल्प ग्रहण किए। कल्याणकारी मंगलपाठ से कार्यक्रम का समापन हुआ।

दुर्लभ मनुष्य भव का सही उपयोग करें : जयवंतमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

समकित मुनि

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम में विराजित श्री जयवंत मुनिजी म.सा. ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए में बताया कि हमने लाखों जन्म मरण करके पश्चात पुण्य का उदय हुआ और मनुष्य का जन्म मिला। उत्तम कुल मिला। जिनवाणी श्रवण का मौका मिला। निर्ग्रंथ गुरु मिले। परमात्मा प्रभु महावीर मिले। फिर भी हमने इस जन्म को अगर सफल नहीं किया तो हमारा जन्म दुर्गति का कारण बन जाएगा। मनुष्य भव दोबारा नहीं मिलेगा। उसका लाभ ले लो क्योंकि जो जिंदगी देवता को भी दुर्लभ है ऐसी जिंदगी हमें मिली है।

विपुल संपत्ति और अधिक सफलता के कारण हम प्रभु के दर्शन से वंचित हो गये। प्रभु अगर हमें हाथ दे रहे हैं तो हाथ को पकड़ लो क्योंकि हाथ पकड़ लोगे तो जिंदगी जीते जी सफल हो जायेगी। जहां हमें सफलता मिल गई वहां हम तर्क करने लग जाते हैं। परमात्मा अगर आपको मिल जाएंगे तो आप की सारी दुख और दर्द है मिट जाएंगे। गुरु सुमति विशाल चातुर्मास समिति के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा ने बताया कि श्री समकितमुनिजी म.सा. का मौन के साथ तेले की तपस्या गतिमान है और कल लोगस्स के पाठ से महामांगलिक होगा।

यह सूचना चातुर्मास समिति के मंत्री विनयचंद पावेचा ने दी।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थानी प्रवासी हंसराज पुरोहित कैलाश नगर को भारतीय जनता पार्टी जिला सिरोही के सहकोषाध्यक्ष बनने पर लोगों ने उन्हें बधाई दी। रामदेव ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी रेखाराम पटेल ने शॉल ओढ़ाकर एवं श्री रामदेव मंडल के अध्यक्ष मंगल सिंह राजपुरोहित ने साफा पहनाकर, मंडल के सचिव सांवलदास वैष्णव ने माला पहनाकर अभिनंदन किया। इस मौके पर ट्रस्ट व मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जयपुर में महावीर इंटरनेशनल अपेक्स का स्वर्णजयंती समारोह 'सेल्यूट' का दो दिवसीय आयोजन किया गया। इसमें देशभर से 1300 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। समारोह में महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो को नेत्र चिकित्सा शिविरों के लिए ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी को अतुलनीय सेवाओं के लिए अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में चेन्नई से राजेन्द्र खारीवाल, को डाइरेक्टर पदमचंद छाजेड़, नार्थ टाउन सेंटर से चेयरमैन दिलखुशराज धोका, वाइस चेयरमैन शांतिलाल चौधरी, सचिव रमेश नाहटा, डिप्टी डायरेक्टर महावीरचन्द सबदडा, निर्मल तातेड, राजेन्द्र देसरला, पारस रांका, विकास मरडिया, महावीर खींचा ने सहभागिता की।

संगठन के माध्यम से असंभव भी संभव हो जाता है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एक-एक धागा अलग-अलग पड़ा है कचरे के रूप में नजर आता है, वही रस्सी का रूप ले ले तो हाथी की क्षमता उसमें आ जाती है। उक्त विचार जैन संत कमल मुनि जी केएलपी जैन मंदिर पर संबोधित करते कहा कि संगठन से और कोई बड़ा धर्म वर्तमान में नहीं हो सकता है। इसकी नींव धर्म साधना उपासना और मोक्ष की मंजिल खड़ी की जा सकती है।

मुनि कमलेश ने बताया कि संगठन के माध्यम से असंभव भी संभव हो जाते हैं, दूसरी पल सफलता मिल जाती है संगठन में विश्वास नहीं अहिंसा उसके पास नहीं। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने अपने से ज्यादा महत्व संगठन को दिया है, उसको मजबूत करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

राष्ट्रसंत ने कहा कि अपने अहंकार और स्वार्थ के लिए संगठन को तोड़ता है वह महापापी कहलाता है। और जो संगठन को बढ़ाने के लिए सब कुछ लुटा देता है वह भगवान कहलाता है। जैन संत ने बताया कि कोई भी धर्म विघटन और बिखराव की इजाजत नहीं देता है। संस्था किसी भी नाम से हो इसका उद्देश्य संगठन को मजबूत करने का हो तो पूजनीय है। उपन्यास प्रवर निर्मोह सुंदर विजय जी ने कहा उपासना पद्धति को लेकर बिखरा होता है वहां पर धर्म नहीं रहता हैश्र दोनों महापुरुषों ने समाज को समन्वय का आवाहन किया।

9 जुलाई को साहूकार पेट जैन स्थानक भवन में मुनि कमलेश के सानिध्य में सूर्योदय पर प्रार्थना सुबह 9:15 बजे प्रवचन 2:30 बजे ज्ञान चर्चा सूर्यास्त पर प्रतिक्रमण, रात्रि 8:30 बजे ज्ञान चर्चा, चारों महीने सुबह 6 बजे से शाम को 6 बजे तक महामंत्र प्रकार का जाप घर घर पर होगा।

चातुर्मास प्रवेश — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पल्लावरम क्षेत्र स्थित तेरापंथ भवन में आचायश्री महाश्रमणजी के शिष्य मनिश्री दीपकुमारजी का श्री दक्षिण पावापुरी, जैन तीर्थ एयरपोर्ट रोड़ से मंगलवार को सुबह रैली के रूप में रवाना होकर संतों ने तेरापंथ भवन, पल्लावरम में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश किया। प्रवेश कोलेकर पल्लावरमवासियों में काफी उत्साह है।

तंडियारपेट में भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष की हुई शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा उत्तर चेन्नई तंडियारपेट के तत्वाधान में आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष भिक्षु चेतना वर्ष के उपलक्ष में आचार्य भिक्षु का 300 वा जन्म दिवस समारोह तेरापंथ भवन टंडियारपेट में वरिष्ठ उपासिका राजश्री डागा के गरिमामय उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राजश्री डागा एवं सुप्रिया सामसुखा के द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुआ। उत्तर चेन्नई सभा के अध्यक्ष इंदरचंद डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया।

महिलाओं द्वारा भिक्षु अष्टकम का संगान हुआ। पिंकी गेलड़ा ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी। राजश्री डागा ने अपने कहा कि आचार्य भिक्षु अलौकिक पुरुष थे एक बालक के रूप में कंटालिया में जन्म लिया। अनासक्त चेतना के धनी थे। उन्होंने संयम का पथ स्वीकार किया। तेरापंथ स्थापना में श्रावक एवं श्राविका की भी अहम भूमिका है, आज आचार्य भिक्षु के 300 वा जन्मदिवस वर्ष शुभारंभ हो गया है। इस वर्ष आचार्य भिक्षु का ज्यादा से ज्यादा स्वाध्य करने का संकल्प करना है एवं भावी पीढ़ी को भी आचार्य भिक्षु के सिद्धांत एवं विचारों से अवगत कराना है। धन्यवाद ज्ञापन दिलीप गेलडा ने किया। संचालन शांता गेलडा ने किया। मंगल पाठ के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

'अनुभूति3 की मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कोला सरस्वती महाविद्यालय के प्रांगण में अनुभूति साहित्यिक संस्था की मासिक गोष्ठी संपन्न हुई। इस बार इस कवि गोष्ठी में भोपाल से कवियत्रीअनु सपन ने अपने गीत और गजलों से श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ शोभा चोरड़िया के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात् अध्यक्ष विजय गोयल ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी श्रोताओं का अभिनंदन किया और आने वाले समय में अनुभूति की विभिन्न कार्यक्रमों की योजनाओं पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि का जीवन परिचय कोषाध्यक्ष अलंकार आच्छा ने प्रस्तुत किया और उनका स्वागत अध्यक्ष विजय गोयल और उपाध्यक्ष अशोक मूंदड़ा ने प्रशस्ति पत्र से किया। महासचिव नीलम सारडा ने अपने संचालन में सभी सदस्यों को आने वाली अगस्त माह की जुगलबंदी कार्यक्रम की विशेष जानकारी दी। आकांक्षा बरनवाल के संचालन के अंतर्गत सदस्य कवि गणों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यकारिणी सदस्य अरुणा मुनोथ ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

प्रतिभा, प्रज्ञा, पुरुषार्थ सम्पन्न थे आचार्य भिक्षु : मुनि मोहजीतकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, किलपॉक के आयोजकत्व में तेरापंथ के संस्थापक आचार्य भिक्षु की जन्म त्रिशताब्दी 'भिक्षु चेतना वर्ष' का शुभारम्भोत्सव मुनि मोहजीतकुमार के सान्निध्य में भिक्षु निलयम में समायोजित हुआ। महामन्त्रोच्चार से शुभारम्भ कार्यक्रम में समुपस्थित भिक्षु भक्तों को सम्बोधित करते हुए मुनि मोहजीतकुमार ने कहा कि आचार्य भिक्षु का जन्म क्रान्ति के आवास का, सिद्धान्तों के विश्वास का, सहिष्णुता का, फौलादी साहस का, सापेक्षता के समाधान का, साधन शुद्धि का जन्म था।

उन्होंने सम्यक आचार और अनुशासन को महत्व दिया। आचार्य भिक्षु की प्रतिभा, प्रज्ञा और पुरुषार्थ ने बचपन में ही उनके लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। उनकी शुद्ध मति ने उनके जीवन को सार्थक बनाया।

इस अवसर पर श्रावक समाज ने जप, तप, त्याग प्रत्याख्यान स्वीकार कर आर्य भिक्षु को भावांजलि समर्पित की। तेरापंथ सभा के मंत्री विजय सुराणा, महिला मण्डल की मंत्री वनिता नाहर ने विचार व्यक्त किए।

उत्तर कर्नाटक के लिए वरदान बनेगा वर्षावास : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

गदग में जैनाचार्य का हुआ मंगल चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी ने अपने श्रमण परिवार के साथ सोमवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में वर्षावास के लिए मंगल प्रवेश किया। स्वागत यात्रा केशवनगर स्थित पंकज बाफना के निवासस्थान से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई स्टेशन रोड स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर परिसर में पहुंची। साफा और पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर बैंड की मधुर धुनों पर हर्ष-उल्लास से नाचते हजारों भक्तों ने इस वर्षावास प्रवेश यात्रा को यादगार बना दिया। प्रवेश अवसर पर शामिल होने के लिए स्थानीय सकल जैन समाज के अलावा राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और विशेषकर कर्नाटक के अनेक गांवों-शहरों से हजारों श्रद्धालु गदग पहुंचे।

गदग में पिछले सौ साल को दृष्टिगत रखते हुए यह सबसे बड़ा आयोजन था। चातुर्मास के विविध कार्यक्रमों के लिए बनाए गए विशाल पंडाल पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में स्वागत समारोह और धर्मसभा का आयोजन हुआ। मंगलाचरण के पश्चात लालीदेवी रूपचंद बाफना परिवार और अन्य लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। तीस बालकों व युवाओं ने सामूहिक भक्तिनृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियां दी। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना और दलीचंद कावड़ ने सभी का स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हम जन-जन को जगाने का दृढ़ संकल्प लेकर गदग आए हैं। यह वर्षावास उत्तर कर्नाटक की जनता के लिए वरदान बनेगा। वर्षावास की हर गतिविधि से प्रेरणा और परिवर्तन की निर्मल धारा बहेगी, ऐसा हमारा विश्वास है। उन्होंने कहा कि गदग के जैन संघ ने हमारे वर्षावास का संकल्प कर बहुत बड़े साहस का परिचय दिया है। किशोर व युवा वर्ग को समाज, राष्ट्र और धर्म की मुख्य धारा से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुंबई लालबाग के तेजुकाय बिल्डर परिवार ने मंदिर की प्रतिष्ठा, उपाश्रय के उद्घाटन और आगामी वर्षावास के लिए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से मुंबई आने का निवेदन किया। इस मौके पर मैसूरु के जैन चेरिटेबल ट्रस्ट ने त्रिमंज़िला जैन अस्पताल और कॉमर्स कॉलेज के लोकार्पण हेतु संतों से निवेदन किया। हैदराबाद के मुणोत व बाफना परिवार ने नवनिर्मित हंस मंदिर की अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए हैदराबाद पधारने का आग्रह किया।

मुंबई के भंवरलाल पालरेचा परिवार ने सभी श्रमणों को वर्षावास की कंबल अर्पण की। चेन्नई के राजेश भंसाली परिवार ने गुरुपूजन का विधान किया। अनेक जैन संघों ने वर्षावास के बाद जैनाचार्य से अपने-अपने क्षेत्र में पधारने का निवेदन किया। गणि पद्मविमलसागरजी ने वर्षावास की रूपरेखा समझाई। चेन्नई के मनोज राठौड़ ने समारोह का संचालन किया। जैनाचार्य की प्रतिभा को देखकर स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, तेरापंथ समाज, कच्छी ओसवाल समाज और दिगम्बर समाज भी इस वर्षावास में श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के साथ अनुमोदक के रूप में जुड़ा है। ऐसी सामाजिक एकता की सभी ने सराहना की।

कपिलमुनि के चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम् के लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री कपिल मुनिजी म.सा. के चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला व धार्मिक गतिविधियों की शुरुआत 9 जुलाई से होगी। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने बताया कि जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में मुनिश्री के चातुर्मासिक प्रवास के दौरान प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 10.15 बजे तक प्रवचन, दोपहर 2.30 बजे से 3.30 बजे तक ज्ञानार्जन हेतु कक्षा का आयोजन, सूर्यास्त से प्रतिक्रमण, रात्रि 8.45 बजे से 9.30 बजे तक युवा प्रकोष्ठ के लिए जिज्ञासा, समाधान आदि कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होंगे। संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने बताया कि प्रत्येक रविवार को प्रात: 8.30 बजे 10.30 बजे तक श्री भक्तामर स्तोत्र महाजाप अनुष्ठान व रविवारीय विशेष प्रवचन होगा। जिसमें पुरुष वर्ग सफ़ेद पोशाक और श्राविकाएं चुंदड़ी की साडी धारण करके मुनिश्री के निर्देशन में जप साधना करेंगे।

पूर्व सांसद डीके सुरेश दूसरी बार ईडी के समक्ष पेश हुए

बेंगलूरु। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश एक महिला के खिलाफ धन शोधन से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। इस महिला पर कई लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पिछले 15 दिन में यह दूसरी बार है जब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाई सुरेश ईडी अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महिला ऐश्वर्या गौड़ा (33) को उसके, कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी और कुछ अन्य के खिलाफ छापेमारी के बाद अप्रैल में गिरफ्तार किया था। ईडी ने उस समय एक बयान में कहा था कि महिला ने कई हाई-प्रोफाइल'' नेताओं से जान-पहचान होने का दावा करते हुए लोगों को सोना, नकदी और बैंक में जमा राशि पर मोटे मुनाफे का लालच देकर धोखाधड़ी की। उस पर आरोप है कि उसने डी.के. सुरेश के नाम का इस्तेमाल किया और उनकी बहन होने का दावा किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.